संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 08
पृष्ठ 8
मंगलवार
23 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- स्टील के बर्तन में न डालें ये फूड्स...
विचार- योगी ने यूपी को बीमारू से निकाल...
खेल- डिकॉक ने वनडे से संन्यास के फैसले...

पीएम मोदी ने अरुणाचल को दी 5100 करोड़ की सौगात, बोले-

पूर्वोत्तर के राज्य हमारे लिए अष्टलक्ष्मी

ईटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 5,100 करोड़ से ज्यादा रुपये के महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। समारोह इंदिरा गांधी पार्क में आयोजित किया गया। पीएम ने शि योमी जिले में दो बड़े जलविद्युत प्रोजेक्ट्स और तवांग में एक कन्वेंशन सेंटर की आधारशिला रखी। पीएम ने पूर्वोत्तर राज्यों के लिए कहा कि ये हमारे लिए अष्टलक्ष्मी हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियां इन राज्यों के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए हैं। उन्होंने पिछले कई वर्षों में पिछली सरकारों द्वारा अरुणाचल प्रदेश के विकास की अनदेखी की तुलना में केंद्र की उपलब्धियों को रेखांकित किया और कहा कि नेक नियत के सही नतीजे अब दिख रहे हैं। उन्होंने आगे संबोधित करते हुए

कहा कि 2014 में जब देशवासियों ने उन्हें सेवा का अवसर दिया तो उन्होंने कांग्रेसी सोच से देश को मुक्त करने का संकल्प लिया। मोदी ने स्पष्ट किया कि उनकी प्रेरणा किसी राज्य में वोट और सीटों की संख्या से नहीं, बल्कि राष्ट्र को सर्वोपरि रखने की भावना से आती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित ही उनके हर फैसले की नींव है। मोदी ने अपने अरुणाचल दौरे को तीन कारणों से विशेष बताया। पहला, नवरात्र के शुभ अवसर पर हिमालय की गोद में स्थित इस भूमि पर आकर मां शैलपुत्री का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। दूसरा, देश में नेक्सट जेन जीएसटी सुधार लागू हुए और जीएसटी बचत उत्सव की शुरुआत हुई, जिससे त्योहारों के मौसम में जनता को डबल बोनस मिला। तीसरा, अरुणाचल प्रदेश में कई बड़े परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, जो राज्य के विकास को नई गति देंगे। मोदी ने कहा कि तवांग मठ से नमसाई तक अरुणाचल शांति और संस्कृति का अद्भुत संगम है और मां भारती का गौरव है। कार्यक्रम में सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कभी भी पूर्वोत्तर को राजनीति के तराजू में नहीं तोला। उन्होंने हमेशा यही कहा कि भारत तभी आगे बढ़ेगा जब नॉर्थ ईस्ट आगे बढ़ेगा। 2014 से पहले पूर्वोत्तर नकारात्मक कारणों से जाना जाता था, लेकिन अब यह विकास का इंजन बनकर देश की प्रगति में योगदान दे रहा है। मोदी ने अरुणाचल को ष्उगते सूरज की धरतीष बताते हुए कहा कि यहां का हर नागरिक शौर्य और शांति का प्रतीक है, जैसे तिरंगे का पहला रंग केसरिया है, वैसे ही अरुणाचल का रंग भी शौर्य का प्रतीक है। इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थानीय व्यापारियों, उद्योगपतियों और करदाताओं के साथ जीएसटी दरों में हालिया सुधारों के प्रभाव पर चर्चा की। पीएम ने व्यापारियों से सीधे बातचीत की और उनकी चिंताओं को सुना।

जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता दें अधिकारी : योगी

● जनता दर्शन में करीब 250 लोगों की सुनीं समस्याएं

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा पर शक्ति की उपासना से पहले जनसेवा की। गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की, समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को दिशानिर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जरूरतमंद व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले। आज सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और समस्याओं को सुन आश्वस्त किया समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण होगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। एक महिला ने राशन कार्ड न होने की समस्या बताई तो मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला की समस्या को संवेदनशीलता से देखें। राशन कार्ड की व्यवस्था करने के साथ पात्रता के अनुसार पेंशन योजना का भी लाभ दिलाएं। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए। उन्होंने गरीबों की जमीन पर कब्जा न होने देने के सख्त निर्देश दिए। राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करें। इलाज में आर्थिक सहायता खातिर पहुंचे लोगों को भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी इलाज नहीं रुकने पाएगा। अधिकारियों से बोले, इस्टीमेट प्रक्रिया प्राथमिकता पर पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। शासन से इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

लोकरंजन प्रकाशन की प्रस्तुति

तूलिका

वरिष्ठ सहित्यकर श्री उमेश श्रीवास्तव का नवीनतम लघु उपन्यासष्तूलिकाष आधुनिक समाज मे स्त्री के कई स्वरूपों को दिखाता है। इस उपन्यास में लेखक ने यह दर्शाया है कि कैसे भोगवाद में रमी उपन्यास की नायिका अपनी तीक्ष्ण बुद्धि और आत्मबल से अंततः सामान्य जीवन जीने के प्रति अग्रसर होती चली जाती है। उमेश श्रीवास्तव जी के लेखन की यह विशेषता है कि अधिकतर इनका लेखन काल्पनिकता के बजाय वास्तविकता के धरातल पर अपना आकार ग्रहण करता है। इस उपन्यास में इन्होंने महिला सशक्तीकरण के विषय को भी गंभीरता से उठाया है। लेखक एक मंजे हुए रचनाकार हैं और इस किताब में उन्होंने एक स्त्री के स्वाभाविक गुणों जैसे संवेदनशीलता, सहजता, दया, ममत्व, कोमलता, कामुकता और प्रेम का वर्णन अत्यंत कुशलता के साथ किया है। उमेश श्रीवास्तव का लेखन प्रायः आम बोलचाल की भाषा मे होता है और यह किताब भी इसकी अपवाद नही है जिसके कारण यह उपन्यास पाठक को सहज ही अपने से कनेक्ट कर लेता है। सहज,सरल,प्रवाहमान भाषा–शैली किताब का सबल पक्ष है। किताब की छपाई बेहतरीन है और कवर पेज दिल को लुभाता है। लोकरंजन प्रकाशन ने मात्र 120 रुपये की आकर्षक कीमत पर इसे प्रकाशित किया है।

किताब अमेज़न पर उपलब्ध है। किताब प्राप्ति लिंक

https://www-amazon-in/dp/B0FR9ZQDFD

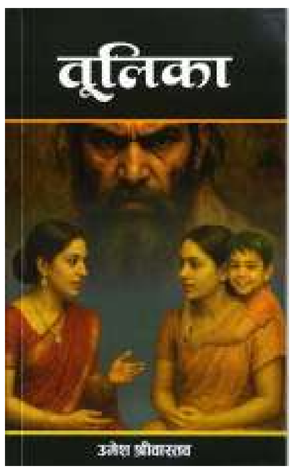

ऑपरेशन सिंदूर की मिसाइल डल झील में मिली, सुरक्षा बलों ने जांच के लिए भेजा

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल डल लेक से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान फटा शैल का अवशेष मिला है। झील संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एलसीएमए) की टीमों ने जलाशय की सफाई के दौरान इन गोले के अवशेषों की खोज की। मलबे को नजदीकी पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है, जहाँ उन्हें आगे की जाँच और आवश्यक कार्रवाई के लिए रखा गया है। 10 मई को, श्रीनगर में ज़ोरदार धमाकों की आवाज़ सुनाई दी थी जब एक मिसाइल जैसी वस्तु श्रीनगर के एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण, डल झील की गहराई में गिरी थी। अधिकारियों ने बताया था कि जब यह वस्तु गिरी तो झील की सतह से धुआँ उठ रहा था। बाद में सुरक्षा बलों ने मलबा निकाला। उसी दिन, शहर के बाहरी इलाके लासजान से एक और संदिग्ध वस्तु बरामद की गई। 10 मई को श्रीनगर में कई विस्फोट हुए। ये घटनाएँ ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा थीं। पहलगाम आतंकी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के जवाब में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। इसके बाद, भारत ने आतंकी ढाँचों और पाकिस्तानी हवाई अड्डों पर लक्षित हमले किए, जबकि पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल हमलों से जवाबी कार्रवाई की, जिन्हें भारतीय सशस्त्र बलों ने नाकाम कर दिया।

हवा में ही कॉकपिट का दरवाजा खोलने लगा यात्री, मच गया हड़कंप

वाराणसी, एजेंसी। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने बताया कि बेंगलुरु से वाराणसी जा रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान में उस समय हड़कंप मच गया जब एक यात्री ने शौचालय जाते समय कथित तौर पर कॉकपिट का दरवाज़ा खोलने की कोशिश की। यात्री को कॉकपिट में प्रवेश करने से पहले ही रोक लिया गया और वाराणसी में उतरने पर अधिकारियों को सौंप दिया गया।

नवरात्रि पर महिलाओं को बड़ी सौगात!

25 लाख नए मुफ्त उज्ज्वला एलपीजी कनेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को घोषणा की कि केंद्र सरकार नवरात्रि के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत 25 लाख मुफ्त एलपीजी कनेक्शन वितरित करेगी। एक पोस्ट साझा करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इससे एलपीजी कनेक्शनों की कुल संख्या 10.60 करोड़ हो जाएगी। हरदीप पुरी ने लिखा कि उज्ज्वला परिवारों का विस्तार। नारी शक्ति को एक महान उपहार! नवरात्रि की शुभ शुरुआत के साथ, 25 लाख नए मुफ्त पीएम उज्ज्वला कनेक्शन का उपहार इस बात का एक और प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी देवी दुर्गा जी की तरह महिलाओं का सम्मान करते हैं। यह निर्णय माताओं और बहनों के सम्मान और सशक्तिकरण के हमारे संकल्प को और मजबूत करता है। मंत्री ने बताया कि सरकार 25 लाख नए एलपीजी कनेक्शनों में से प्रत्येक पर 2050 रुपये खर्च

करेगी। उन्होंने आगे कहा कि अब उज्ज्वला योजना के तहत परिवारों की संख्या बढ़कर 10.60 करोड़ हो जाएगी। भारत सरकार प्रत्येक कनेक्शन पर 2,050 रुपये खर्च करेगी, जिससे लाभार्थियों को मुफ़्त रसोई गैस सिलेंडर के साथ–साथ गैस चूल्हा, रेगुलेटर आदि भी मुफ़्त मिल सकेंगे। इस योजना के लिए प्रधानमंत्री की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उनके निर्णयों में श्शक्तिश की भावना झलकती है। हरदीप पुरी ने कहा कि देवी माँ की शक्ति पृथ्वी पर महिलाओं के रूप में विद्यमान है। भारतीय संस्कृति में भी महिलाओं को श्शक्तिश का अवतार माना जाता है। नवरात्रि के दौरान, हम माँ दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करते हैं, जो नारी शक्ति के प्रतीक हैं। यही भावना मोदी जी के इरादों और योजनाओं में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। पिछले महीने केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले का हवाला देते हुए, हरदीप पुरी ने कहा कि केंद्र 10.33 करोड़ से अधिक सिलेंडरों पर 300 रुपये की सब्सिडी दे रहा है, जिन्हें 553 रुपये में रिफिल किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने इस योजना की सराहना की और इसे एक विशाल क्रांति की मशाल कहा।

सिर्फ एक मुख्यमंत्री ने किया था जीएसटी का विरोध, आज सुधार भी अधूरे : जयराम रमेश का पीएम पर वार

नई दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए वस्तु एवं सेवा कर

(जीएसटी) का विरोध किया था। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव रमेश ने एएनआई को बताया कि 2006 से 2014 तक, आठ साल तक, केवल एक मुख्यमंत्री ने जीएसटी का विरोध किया, और वह मुख्यमंत्री 2014 में प्रधानमंत्री बने और 2017 में यू–टर्न लेते हुए जीएसटी के मसीहा के रूप में उभरे। उन्होंने आगे बताया कि हाल ही में घोषित जीएसटी सुधार सीमित हैं क्योंकि वे एमएसएमई क्षेत्र की प्रक्रियात्मक जटिलताओं को सुलझाने में आसानी प्रदान नहीं करते हैं। रमेश ने कहा कि जीएसटी में हालिया सुधार सीमित हैं। एमएसएमई क्षेत्र की प्रक्रियात्मक जटिलताओं को कम करने की आवश्यकता पूरी नहीं हुई है। प्रधानमंत्री ने राज्य सरकारों द्वारा उन्हें पाँच साल का मुआवज़ा पैकेज देने की मांग पर कुछ नहीं कहा है। कई मुद्दों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर अपना हमला तेज़ करते हुए, रमेश ने तर्क दिया कि कांग्रेस आठ सालों से जीएसटी में सुधारों की ''बार–बार'' मांग कर रही है।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया

नारायणपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सोमवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र से सटे अबूझमाड़ इलाके के जंगल में सुबह उस समय मुठभेड़ शुरू हुई जब सुरक्षा बलों की एक टीम तलाशी अभियान पर निकली थी। पुलिस ने बताया कि इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि अब तक घटनास्थल से एक पुरुष नक्सली का शव बरामद किया गया है तथा रुक–रुक कर गोलीबारी जारी है। इस नवीनतम कार्रवाई के साथ, इस वर्ष अब तक छत्तीसगढ़ में अलग–अलग मुठभेड़ों में 248 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 219 नक्सली बस्तर संभाग (जिसमें सात जिले शामिल हैं) में मारे गए, जबकि 27 अन्य नक्सली रायपुर संभाग के गरियाबंद जिले में मारे गए। दुर्ग संभाग के मोहला–मानपुर–अंबागढ़ चौकी जिले में दो अन्य नक्सली मारे गए।

जैकलीन फर्नांडीज को सुकेश चंद्रशेखर मामले में बड़ा झटका, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने ठग सुकेश चंद्रशेखर के साथ कथित लेन–देन के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज 215 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले को रद्द करने की जैकलीन फर्नांडीज की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है। ईडी ने अभिनेत्री पर चंद्रशेखर से लगभग 7 करोड़ रुपये के आलीशान उपहार प्राप्त करने का आरोप लगाया है, जो इस मामले का मुख्य आरोपी है। फर्नांडीज ने लगातार कहा है कि उन्हें चंद्रशेखर की आपराधिक पृष्ठभूमि के बारे में कोई जानकारी नहीं थी और तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष प्रक्रिया का दुरुपयोग कर रहा है और खुद को साजिशकर्ता के बजाय पीड़ित के रूप में पेश कर रहा है। इस साल की शुरुआत में दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया था, यह कहते हुए कि मुकदमे के दौरान उनकी मंशा और ज्ञान से संबंधित प्रश्नों की जांच की जानी चाहिए। सोमवार को उनकी याचिका खारिज करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फर्नांडीज कार्यवाही के उचित चरण में अपनी दलीलें रखने के लिए स्वतंत्र हैं। फिलहाल, उनके खिलाफ मामला निचली अदालत में चलता रहेगा।

'एक दिन पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर कहेगा- मैं भी भारत हूं..', मोरक्को में बोले राजनाथ सिंह

रबात (मोरक्को)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भरोसा जताया कि भारत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को बिना किसी आक्रामक कदम के वापस हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि अब वहां के लोग खुद ही मौजूदा शासन से आजादी की मांग कर रहे हैं। राजनाथ सिंह मोरक्को में भारतीय समुदाय को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा, पीओके तो अपने आप हमारा हो जाएगा। आपने सुना होगा कि वहां अब आवाजें उठ रही हैं, नारे लग रहे हैं। रक्षा मंत्री ने बताया कि उन्होंने पांच साल पहले भी ऐसी ही बात कही थी, जब वह जम्मू–कश्मीर में

भारतीय सेना के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मैं पांच साल पहले कश्मीर घाटी में सेना के एक कार्यक्रम में बोल रहा था। तब भी मैंने कहा था कि हमें पीओके पर हमला करके कब्जा करने की जरूरत नहीं होगी। वह तो पहले से हमारा है। पीओके खुद कहेगा- मैं भी भारत हूं। वो दिन जरूर आएगा। राजनाथ सिंह का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कई लोग सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके पर कब्जा करने का मौका गंवा दिया है। यह सैन्य अभियान सात मई को शुरू हुआ था, जिसमें भारत ने कई पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। इसके अलावा, पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कई सैन्य ठिकानों को तबाह किया गया था। यहीं नहीं पाकिस्तानी के कई एयरबेस भी ध्वस्त किए गए थे। इसके बाद विपक्ष के कई नेताओं ने सरकार की आलोचना की थी कि जब भारत को संघर्ष में बढ़त मिली हुई थी, तब संघर्षविराम को क्यों स्वीकार किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इन दिनों दो दिन के मोरक्को दौरे पर हैं, जहां वह टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की नई निर्माण इकाई का शुभारंभ करेंगे। इस इकाई में आठ पहियों वाला बख्तरबंद सैन्य वाहन तैयार किया जाएगा।

डा. शिखा और डा. अरुण एवं को अंतर्राष्ट्रीय साहित्य सम्मान

प्रयागराज। पंजाब कला भवन चंडीगढ़ में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हिंदी के विद्वान और हिंदी के लिए कार्य कर रहे संपूर्ण विश्व से 11 लोगों को 20 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में प्रयागराज की पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त तथा समाजसेवी डॉ. शिखा

दरबारी को हिंदी भाषी क्षेत्रों में सामाजिक कार्य एवं पुस्तक प्रणयन के लिए साहित्य भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। वहीं साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी को अंतर्राष्ट्रीय साहित्य सम्मान 'वसुधा – साहित्य– शिरोमणि– सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए विद्वानों को प्रशस्तिपत्र, स्मृति चिह्न, साहित्य, अंगवस्त्र तथा धनराशि प्रदान की गई।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले रोटेरियन्स को किया सम्मानित

प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद एलीट की ओर से रविवार को इंटर–सिटी कार्यक्रम 'प्रभाव का आयोजन जसवंत विला, बमरौली में किया गया। इस अवसर पर विभिन्न जिलों के रोटेरियन, पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। शुभारंभ पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बिंदु सिंह, पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर निलेश कुमार अग्रवाल तथा मुख्य वक्ता अभिनेता सुरेंद्र पाल सिंह (टीवी धारावाहिक महाभारत में गुरु द्रोणाचार्य) ने दीप प्रज्वलन व राष्ट्रगान से किया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. आशुतोष अग्रवाल ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण व समाजसेवा में रोटरी की उपलब्धियों को रेखांकित किया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले रोटेरियन्स को सम्मानित किया। रोटरी इलाहाबाद एलीट की पहल 'रोशनी के अंतर्गत जरूरतमंद बच्चों को साइकिलें वितरित की गईं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सम्मान समारोह ने कार्यक्रम को और भी विशेष बनाया।

कार की टक्कर से ई-रिक्शा सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल

प्रयागराज। सिविल लाइंस में रविवार देर रात एक तेज रफ्तार कार ने ई–रिक्शा में टक्कर मार दी जिससे तीन लोग घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई गई है। हादसे के बाद कार चालक गाड़ी छोड़कर भाग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया। रात लगभग सवा 11 बजे एजी ऑफिस के समीप एक तेज रफ्तार कार ने सवारी लेकर जा रहे ई–रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह पलट गया और उसमें सवार तीन लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। उधर से गुजर रहे कुछ युवकों ने घायलों को एंबुलेंस से एसआरएन अस्पताल भेजवाया और कुछ ने हादसे के बाद भाग रहे कार चालक का बाइक से पीछा करलिया।

पकड़े जाने के डर से चालक एजी ऑफिस के पास देर रात हुआ हादसा कार छोड़ भागा सवार एक घायल नाजुक कार को कुछ दूरी पर सड़क किनारे के छोड़कर भाग गया। हादसे में घायल 40 प्रो वर्षीय बब्लू सोनकर पुत्र शिव प्रसाद अ हल्दीराम चौराहा सिविल लाइंस बें निवासी है, एक अन्य घायल 30 वर्षीय गु रमेश कुमार पुत्र हरिनाथ बंजारी कला से थाना ड्रमंडगंज मीरजापुर का निवासी क है। तीसरे घायल की पहचान नहीं हो तै सकी। उसकी हालत गंभीर बताई गई। मौके पर पहुंचे डॉयल 112 के दे पुलिसकर्मियों ने कार को अपने कब्जे व में लेकर चालक की तलाश की लेकिन वह नहीं मिला।

सर्वेश्वरी समूह ने मनाया 65वां स्थापना दिवस

प्रयागराज। तेलियरगंज के शंकरघाट स्थित सर्वेश्वरी समूह ने शनिवार को धूमधाम से 61वां स्थापना दिवस मनाया। खास दिन फर सुबह छह बजे से आठ बजे तक प्रभात फेरी निकाली

गई और आश्रम में विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। संस्था से जुड़े नीरज कुमार सिंह ने बताया कि गोष्ठी में ध्वक्ताओं ने मनुष्य के कष्ट निवारण पर चर्चा की और अवधूत भगवान राम के विचारों का स्मरण कराया।

इस अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 500 से अधिक रोगियों का परीक्षण कर निरुशुल्क औषधि का वितरण किया गया। डॉ. आरपी सिंह, डॉ. शेखर, डॉ. उदय प्रताप ने रोगियों की जांच की। अरुण कुमार श्रीवास्तव, मनीष कुमार सिंह, मिलन सिंह, अभिषेक श्रवण कुमार वर्मा आदि ने कार्यक्रमों का संचालन किया।

वोट चोरी में फोन नंबर सार्वजनिक होने पर भड़के अंजनि

प्रयागराज। वोट चोरी के मामले राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कथित तौर पर मोबाइल नंबर सार्वजनिक किए जाने पर प्रयागराज के अंजनि मिश्रा भड़क गए हैं। नंबर सार्वजनिक होने पर अंजनि राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर कराने की बात कह रहे हैं। अंजनि का दावा है कि राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद से ही उनके पास काल आने लगे। उनके जानने वालों ने बताया कि राहुल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका नंबर देखा गया।

एक समाचार चौनल के साथ साक्षात्कार में अंजनि ने कहा कि पहले लोगों ने ह्वाट्सएप पर मैसेज किया तो भरोसा नहीं हुआ। बाद में खुद इसकी जांच की तो सूचना सही निकली। अंजनि कहते हैं कि वायरल हुआ नंबर 15 साल से उनके पास है। मूलतरू मेजा के रहने और डिस्ट्रीब्यूशन का कारोबार करने वाले अंजनि एक–दो बार महाराष्ट्र घूमने गए हैं। उनका वोटर आईडी भी प्रयागराज का है।

बघेल राजाओं के शौर्य की विरासत संरक्षित न हुई तो रह जाएगी किस्से कहानियों तक

प्रयागराज। गढ़वा का किला प्रयागराज जनपद के शंकरगढ़ क्षेत्र में स्थित गढ़वा किला आज भी गुप्तकालीन वैभव और बघेल राजाओं की शौर्य गाथा का सजीव प्रतीक है। शंकरगढ़ मुख्यालय से लगभग पांच किलोमीटर दूर उत्तर दिशा मे पंचकोणीय आकार में बना यह किला इतिहास, स्थापत्य और संस्कृति का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। समय की मार और उपेक्षा के बावजूद यह किला आज भी अतीत की गौरवगाथा सुनाता है। इसका जीर्णोद्धार तो हुआ है परंतु जो सम्मान इसे मिलना चाहिए था वो नहीं मिल सका। यही वजह है कि स्थानीय लोग कभी कभार पिकनिक या घूमने के उद्देश्य से आते हैं परंतु शंकरगढ़ क्षेत्र के और अन्य जगहों से बहुत कम ही लोग इस गुप्तकालीन किला का दीदार करते होंगे।

भारत के पर्यटन के मानचित्र पर स्थित होने के बावजूद स्थानीय माफिया की भी इस पर बुरी नजर है। विदेशी पर्यटक भी यहां भ्रमण के लिए आते हैं किंतु सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम नहीं है। इतिहास की इस विरासत को संजोने का जो प्रयास होना चाहिए था वो नहीं हो सका। इस किले के संरक्षण की सार्थक पहल न हुई तो सिर्फ किस्से कहानियों तक ही रह जाएगा। इतिहासकार मानते हैं कि प्राचीन काल में इस स्थल का नाम भट्टग्राम था। गुप्तकाल से लेकर मध्यकाल तक यहां विभिन्न शासकों का प्रभाव रहा। लगभग 1750 ई में बघेल वंश के राजा विक्रमादित्य ने वर्तमान किले का निर्माण कराया। हालांकि इसकी नींव गुप्तकालीन स्थापत्य और मध्यकालीन संरचनाओं पर टिकी मानी जाती है। यही कारण है कि किले में आज भी गुप्तकालीन कला, धर्म और संस्कृति की अमिट छाप दिखाई देती है। गढ़वा किला में जो एक बार भी प्रवेश करता है उसका बाहर आने की इच्छा बिल्कुल नहीं होती मूर्तियों की बड़ी–बड़ी कालाचित्र देखने से यह प्रतीत होता है कि किसी अच्छे कलाकार ने अपनी प्रतिभा को इन मूर्तियों में छोड़ दिया है। गढ़वा किला केवल एक दुर्ग नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों का भंडार है। यहां भगवान विष्णु की विशाल प्रतिमा लोगों को आकर्षित करती है। उनके दशावतारों की आठ से दस फीट ऊंची मूर्तियां शिल्पकला के अनुपम उदाहरण

मानी जाती हैं। किले में बने प्राचीन शिवालय का गर्भगृह, गणेश जी की खंडित प्रतिमा और भगवान बुद्ध की मूर्ति इस क्षेत्र की धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक विविधता का जीवंत प्रमाण है। इसके अलावा किले में बनी दो बावलियां (जलकुंड) आज भी जल से परिपूर्ण रहती हैं, जो तत्कालीन जल–प्रबंधन प्रणाली की उत्कृष्टता को दर्शाती हैं। पंचकोणिय गढ़वा किला के बीचो–बीच पूजा अर्चन करने की मंदिर भी स्थापित है परंतु उसमें मूर्ति नहीं जिससे अनुमान लगाया जाता है कि उक्त मूर्ति को मुगलों ने खंडित कर उसे फेंक दिया था परंतु मूर्तियां जो खंडित हैं आज भी देश की धरोहर समझ कर उनको कैद किया गया है। गुप्तकालीन शिलालेखों का महत्व गढ़वा किले से अब तक चंद्रगुप्त द्वितीय, कुमारगुप्त और स्कंदगुप्त जैसे गुप्त सम्राटों के शासनकाल से संबंधित सात शिलालेख प्राप्त हुए हैं। ये शिलालेख गुप्त साम्राज्य की राजनीतिक शक्ति, सांस्कृतिक उन्नति और प्रशासनिक व्यवस्था पर अमूल्य जानकारी देते हैं। यही कारण है कि इतिहासकार और पुरातत्वविद इस किले को गुप्तकालीन अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं। संरक्षण की कमी और उपेक्षा हालांकि किला उत्तर प्रदेश पुरातत्व विभाग और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के संरक्षण में है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग दिखाई देती है। किले की जीर्णोद्धार तो हो चुका है लेकिन प्राचीन मूर्तियां असुरक्षित पड़ी हैं और आसपास की सफाई व्यवस्था भी उपेक्षित है। स्थानीय निवासियों और इतिहास प्रेमियों का कहना है कि वर्षों से किले के जीर्णोद्धार और पर्यटन की दृष्टि से विकास की मांग की जा रही है, लेकिन ठोस प्रयास अब तक नहीं हुए। पर्यटन स्थल बनने की क्षमता गढ़वा किला अपनी ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता के कारण प्रयागराज ही नहीं, पूरे उत्तर प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल बनने की क्षमता रखता है। यदि यहां उचित रख–रखाव, सुविधाओं का विकास और प्रचार–प्रसार किया जाए तो यह किला वाराणसी, खजुराहो और काशी की तरह देश–विदेश के पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है। संरक्षण और गौरव की पुनर्स्थापना गढ़वा किला केवल शंकरगढ़ की पहचान नहीं, बल्कि यह गुप्तकालीन संस्कृति, स्थापत्य कला और बघेल राजाओं की शौर्य परंपरा का अमूल्य प्रतीक है। आज आवश्यकता है कि इस ऐतिहासिक धरोहर को उपेक्षा की परतों से निकालकर इसके संरक्षण और प्रचार–प्रसार की दिशा में ठोस कदम उठाए जाए ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस गौरवशाली विरासत से परिचित हो सकें और गढ़वा किला पुनः वैभव का केंद्र बन सके। वाशिंग प्लांटों से खतरा ऐतिहासिक गढ़वा किला शंकरगढ़ क्षेत्र की अनमोल धरोहर है। किले में बनी दो बावलियां और एक कुआं हमेशा लबालब रहते हैं, जो जल संरक्षण की अद्भुत मिसाल हैं। लेकिन किले के अगल–बगल संचालित हो रहे वाशिंग प्लांटों से अब इस धरोहर का अस्तित्व खतरे में है। स्थानीय लोगों और संरक्षण कार्यों से जुड़े लोगों ने बताया कि नियमों के अनुसार वाशिंग प्लांट किले से कम से कम 200 मीटर दूर होना चाहिए, मगर यह दूरी नहीं बरती जा रही। फिलहाल कोई बड़ा नुकसान दिखाई नहीं दे रहा, लेकिन जैसे ही वाशिंग प्लांट संचालित होते हैं, बावली और कुएं का पानी मटमैला हो जाता है। कई बार जलस्तर भी नीचे खिसक जाता है। लोगों ने बताया कि इस विषय पर कई बार जांच कराई गई, लेकिन अधिकारी आते हैं और खानापूर्ति कर लौट जाते हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो किले की ऐतिहासिक बावलियां और कुआं अपना स्वरूप खो देंगे। विदेशी पर्यटकों का भी आवागमन गढ़वा किला न सिर्फ शंकरगढ़ क्षेत्र बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान रखता है। किले में मौजूद प्राचीन मूर्तियां और ऐतिहासिक धरोहरें विदेशों से आने वाले पर्यटकों को भी आकर्षित करती हैं। किले की सुरक्षा में तैनात कर्मियों का कहना है कि जनवरी और फरवरी माह में विदेशी पर्यटकों की संख्या अधिक रहती है। इस दौरान कई देशी–विदेशी सैलानी यहां पहुंचकर किले की ऐतिहासिक कलाकृतियों और मूर्तियों को निहारते हैं।

फिलहाल प्रतिदिन औसतन 40 से 50 लोग किला देखने पहुंचते हैं। इनमें स्थानीय व आस–पास के इलाकों के लोगों के साथ–साथ बाहरी पर्यटक भी शामिल रहते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्तमान में गढ़वा किले का प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क है। यदि सरकार नाममात्र का शुल्क निर्धारित करे तो उससे प्राप्त धनराशि से किले की सुरक्षा, रखरखाव और सुविधाओं को और बेहतर बनाया जा सकता है।गढ़वा किला में पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए लोग उम्मीद जता रहे हैं कि सरकार और प्रशासन इस दिशा में ठोस कदम उठाएगा, जिससे क्षेत्र की यह अनमोल धरोहर आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रह सके। सुरक्षा में डेढ़ दर्जन कर्मचारी तैनात शंकरगढ़ क्षेत्र का ऐतिहासिक गढ़वा किला न सिर्फ धरोहर है बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी संवेदनशील माना जाता है। किले के संरक्षण और देखरेख के लिए राष्ट्रीय पुरातत्व विभाग और एसआईएस सिक्योरिटी की ओर से कुल डेढ़ दर्जन कर्मचारी तैनात किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय पुरातत्व विभाग की ओर से चार मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) विनोद मिश्रा, अनिल कुमार, सुनील कुमार मीणा और आशीष कुमार यादव किले की देखभाल कर रहे हैं। वहीं सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी एसआईएस सिक्योरिटी के 11 कर्मियों पर है, जिनमें दिवाकर त्रिपाठी, राकेश कुमार, देवेंद्र कुमार पांडे, संजय पाल, सर्वेश कुमार शुक्ला, सूरज कुमार, संजय के, हरि आनंद, अशोक कुमार, शिवेंद्र कुमार और मिथिलेश कुमार शामिल हैं। बताया गया कि इन कर्मचारियों की ड्यूटी आठ–आठ घंटे की शिफ्ट में लगाई जाती है, ताकि किले की सुरक्षा और संरक्षण में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। किला से चोरी हुई थी भगवान बुद्ध की मूर्ति गढ़वा किला न सिर्फ अपनी ऐतिहासिक धरोहरों के लिए चर्चित है, बल्कि अपराधियों की नजरों में भी कई बार आ चुका है।

गाड़ी खराब होने पर सड़क किनारे ही सो गए, ट्रक ने छह लोगों को रौंदा, चार की मौत

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज से एक दिल दहला देने वाला घटना सामने आई है। जहां सोरांव क्षेत्र में सोमवार भोर तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गयी। दरअसल गाड़ी खराब होने के बाद सभी लोग सड़क किनारे ही सो गए थे। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई।

पुलिस ने बताया कि कानपुर का रहने वाले लोग बोलेरो से वाराणसी जा रहे थे। देर रात कानपुर प्रयागराज हाईवे पर उनकी गाड़ी खराब हो गयी। रात में गाड़ी बन नहीं सकी, ऐसे में परिवार के लोग सड़क किनारे बोलेरो खड़ी कर उसक आगे ही चादर बिछाकर सो गए कि सुबह होने पर मैकेनिक से बोलेरो ठीक कराएंगे। सोमवार की भोर चार बजे के करीब तेज रफ्तार ट्रक ने बोलेरो में टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि

बोलेरो के बाहर सो रहे छह लोगों पर चढ़ गई। इसके बाद ट्रक भी रौंदता हुआ निकला। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो लोग जख्मी हो गए। सड़क पर खून ही खून बिखर गया। वहां से गुजरने वाले लोगों ने पुलिस को सूचना दीञ्ज सोरांव पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार सोरांव पुलिस ने कानपुर पुलिस से संपर्क कर घटना की जानकारी दी है। आगे की कार्यवाही की जा रही है।

लखनऊ–दिल्ली हाईवे पर दंपति को कंटेनर ने रौंदा, मौत

उधर, लखनऊ–दिल्ली नेशनल हाईवे 30 पर एक अनियंत्रित कंटेनर ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी। हादसा इतना जोरदार था कि बाइक पर पीछे बैठी पत्नी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि बाइक चला रहा पति गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए पहले सीएचसी और फिर जिला अस्पताल शाहजहांपुर के लिए रेफर कर दिया गया। शाहजहांपुर ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्ज में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पिंडदान करके लौट रहे चार श्रद्धालुओं की सड़क हादसे में मौत

प्रयागराज। सोरांव थाने के बिगहिया गांव के सामने सोमवार तड़के गया से पिंडदान करके कानपुर जा रहे चार श्रद्धालुओं की सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कानपुर से एक परिवार पिंडदान के लिए बोलेरो से गया गया था। रविवार को गया से लौट रहे थे। सोरांव इलाके में उनकी गाड़ी खराब हो गई। बताया जा रहा है कि सड़क पर ही गाड़ी खड़ी करके चार श्रद्धालु गाड़ी के अंदर सो गए। वहीं चार गाड़ी के बाद चादर बिछाकर लेट गए। इस बीच सोमवार तड़के तेज रफ्तार ट्रक ने बोलेरो को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बोलेरो सड़क पर लेटे चारों श्रद्धालुओं को रौंद डाला।

जिससे सुरेश सैनी पुत्र शिव शंकर निवासी गुलौली कानपुर, सुरेश बाजपई पुत्र कैलाश बाजपेई, सुरेश बाजपई की पत्नी और रामसागर अवस्थी पुत्र जय राम की मौके पर ही मौत हो गई। बोलेरो में बैठे घायल ममता देवी पत्नी प्रेम नारायण, प्रेमा देवी पत्नी सुरेश सैनी और कोमल देवी पत्नी रामसागर अवस्थी को एसआरएन में भर्ती कराया गया है। इस हादसे में एक मात्र सुरक्षित बचे 60 वर्षीय प्रेम नारायण ने पुलिस को जानकारी दी।

कुत्तों को 'उम्रकैद' देने से पहले विवेचना का प्रशिक्षण लेंगे चिकित्सक

प्रयागराज। इंसानों को दो बार काटने पर आवारा कुत्तों को उम्रकैद की सजा देने के मामले में प्रदेश के सभी निकायों में तैनात पशु चिकित्साधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए लखनऊ में 23 सितंबर से पशु चिकित्साधिकारियों की कार्यशाला आयोजित की जाएगी। निकाय निदेशालय में आयोजित कार्यशाला में पशु चिकित्साधिकारियों को उच्चाधिकारी और विशेषज्ञ बताएंगे कि उम्रकैद की सजा देने के पहले कुत्ते के गंभीर अपराध की कैसे विवेचना (जांच) करेंगे। पशु चिकित्साधिकारी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम को किन–किन बिंदुओं पर जांच करनी होगी। पूर्व प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने इसी महीने आदेश जारी कर किसी कुत्ते के एक बार काटने पर 10 दिन और दूसरी बार काटने पर आजीवन एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर में रखने का आदेश जारी किया था। नगर निगम के पशुधन अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने बताया कि कुत्तों की सजा को लेकर शासन गंभीर है। इसे जल्द लागू करने के सिलसिले में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में सजा को लेकर गाइडलाइन जारी करने के अलावा कंपनियां कुत्तों को लगाए जाने वाले माइक्रो चिप का भी प्रदर्शन करेंगी। प्रमुख सचिव के आदेश में एक बार काटने वाले कुत्ते की निगरानी माइक्रो चिप के जरिए करने का भी आदेश जारी किया है। इसके तहत एकबार काटने वाले कुत्ते को खुले में छोड़ने के बाद माइक्रो चिप से निगरानी करने के लिए भी कहा गया है।

समस्या निस्तारण में लापरवाही पर छह निलंबित, आठ को प्रतिकूल प्रविष्टि

प्रयागराज। सोरांव तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस की सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने पिछले महीने के समाधान दिवस पर आए मामलों में 41 प्रकरणों की रैंडम जांच 14 जिलास्तरीय अफसरों से कराई। कई मामलों में कर्मचारियों ने बिना गए आख्या लगा दी, उन्हें निलंबित करने का निर्देश दिया। जबकि कई ने सतही जांच की, उन्हें आरोपपत्र दिया जाएगा। सोरांव में लेखपाल योगेंद्र प्रताप सिंह, कानूनगो ज्ञान प्रकाश ने बिना कोई स्थलीय निरीक्षण के ही निस्तारण आख्या तैयार की। उनके खिलाफ निलंबन का आदेश दिया गया है। होलागढ़ थाने के उपनिरीक्षक विकास चंद्र, लेखपाल अरविंद कुमार, प्रेमचंद्र पटेल, उप निरीक्षक फाफामऊ थाना दिनेश कुमार यादव, बृजेश चौरसिया, इम्तियाज अहमद ने सतही आख्या लगाई।

इन्हें आरोपपत्र देने का निर्देश दिया गया है। एसडीएम सोरांव में वरासत सम्बंधी प्रकरणों को बार–बार निरस्त किए जाने पर गदिना के लेखपाल अरुण सरोज व ग्राम मलाक चौधरी के लेखपाल विकास सिंह को निलंबित कर दिया। एसडीएम बारा ने लेखपाल हीरालाल को प्रतिकूल प्रविष्टि दी। शिकायतों के फर्जी निस्तारण में राजस्व निरीक्षक परमात्मा राम पांडेय को निलंबित करने का निर्देश दिया। एसडीएम फूलपुर ने लेखपाल शिव कुमार यादव को रघुनाथपुर में अवैध कब्जे की शिकायत के प्रकरणों में गुणवत्ता निस्तारण नहीं करने पर परिनिंदा प्रविष्टि दी है। तहसीलदार हंडिया ने संपूर्ण समाधान दिवस पर गलत आख्या देने पर लेखपाल दिलीप को निलंबित कर दिया है। एसडीएम मेजा ने गुलाम मोहम्मद व राजस्व निरीक्षक उरूवा गया प्रसाद को जनशिकायतों के प्रति ध्यान न देने और शासकीय कार्यों में रुचि न रखने पर प्रतिकूल प्रविष्टि प्रदान की है। एसडीएम कोरांव ने लेखपाल अतुल कुमार तिवारी व देवराज सिंह को जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण व नियमानुसार विधिक कार्रवाई न किए जाने के कारण विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि दी है।

राजस्व निरीक्षक भगवती प्रसाद शुक्ल को कार्यों में लापरवाही, स्वेच्छाचारिता व कार्य के प्रति उदासीनता बरते जाने पर विभागीय कार्रवाई प्रस्तावित की है।

स्ट्रीट लाइटें बंद, इंटरलाकिंग उखड़ी और मैनहोल ढक्कन खुले मिले

प्रयागराज। दशहरा और दुर्गा पूजा मार्गों की स्थिति जानने के लिए महापौर गणेश केसरवानी ने शनिवार को निरीक्षण किया। पत्थरचट्टी रामलीला मैदान के मार्ग पर रामबाग फलाईओवर के अगल बगल व अन्य सड़कें क्षतिग्रस्त मिलीं। कमेटी के सदस्यों ने बताया कि बहुत अधिक संख्या में स्ट्रीट लाइट बंद है। रामबाग चौराहे के पास जलकल विभाग ने गड्ढा खोदकर छोड़ दिया है। रामलीला मैदान के सामने फलाईओवर के नीचे कच्चे हिस्से में इंटरलॉकिंग लगवाने का अनुरोध किया गया। मुट्ठीगंज चौराहे से रामभवन, आर्यकन्या, हटिया चौराहा, छोटा चौराहा, काली बाड़ी मंदिर, मुट्ठीगंज थाने से शीशमहल को जाने वाली सड़कें क्षतिग्रस्त मिलीं।

ट्रिपलआईटी प्रयागराज को मिले नौ नए शिक्षक

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) में शैक्षिक गुणवत्ता और शोध कार्य को और सशक्त बनाने के लिए नौ नए शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। इनमें सात असिस्टेंट प्रोफेसर इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) विभाग के लिए और दो असिस्टेंट प्रोफेसर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) विभाग में नियुक्त हुए हैं। इन नियुक्तियों से न केवल शिक्षण व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि छात्रों को बेहतर शैक्षिक माहौल और शोध मार्गदर्शन भी उपलब्ध होगा।

जूलॉजी विभाग द्वारा 5 दिन का छात्र प्रेरण कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रयागराज। आज जूलॉजी विभाग द्वारा एमएससी प्रथम सेमेस्टर के नए भर्ती छात्रों के लिए एक छात्र प्रेरण कार्यक्रम ष्उदबोधनष का आयोजन किया गया था। आज के अतिथि प्रधानाचार्य, सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर अजय प्रकाश

खरे और संयोजक आईसीसी प्रोफेसर सरोज सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित करके के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संयोजक, जूलॉजी विभाग, डॉ विनीता जायसवाल ने सभी मेहमानों का स्वागत किया । कार्यक्रम का विस्तृत परिचय डॉ. ज्योति वर्मा ने दिया । विशेष वक्ता प्रोफेसर सरोज सिंह ने लिंग संवेदनशीलता और यौन उत्पीड़न और आंतरिक शिकायत समिति के काम की विस्तार से चर्चा की । दूसरे सत्र में डॉ. विनय कुमार सिंह ने जूलॉजी विषय की चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन शोध विद्वान ऋचा मिश्रा ने किया और डॉ. विनय कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सभी संकाय सदस्य और छात्र कार्यक्रम में उपस्थित थे।

आरेडिका में विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन

रायबरेली। आरेडिका में राजभाषा विभाग के तत्वावधान तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द के नेतृत्व में रेलवे कर्मचारियों को हिंदी में अधिकाधिक काम करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से राजभाषा पखवाडा के तहत दिनांक–17.09.2025 से 27.09.2025 तक विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

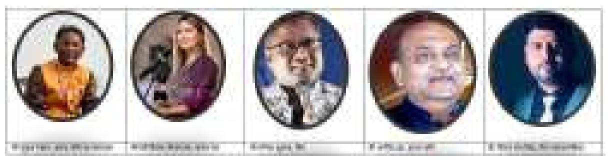

दिनांक 20.09.2025 को राजभाषा पखवाडा के अन्तर्गत हिन्दी के विकास हेतु लोगों को जागरूक करने के लिए रेलवे कर्मचारियों द्वारा ''हिन्दी हैं हम'' शीर्षक से एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी पुस्तकालय के प्रांगण में किया गया। इसी कड़ी में दिनांक–22.09.2025 को सरस्वती प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक संध्या एवं विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें काव्य/गीत के क्षेत्र में मुकाम हासिल कर चुके प्रतिष्ठित कवि मुकुल महान (हास्य कवि), अरविन्द झा (हास्य कवि) शिखा श्रीवास्तव (शृंगार कवयित्री), योगेश शुक्ला (गीत) एवं प्रो0 डा0 विनम्र सेन सिंह (गीत समसामायिक) अपनी काव्य रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। इस कार्यक्रम में आरेडिका महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा तथा आरेडिका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा भारती मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।

युवाओं को आधुनिक तकनीकि से जोड़ने का कार्य कर रही डबल इंजन सरकार: नन्दी

–अब तक प्रदेश में 60 लाख से अधिक छात्र–छात्राएं हो चुके हैं लाभान्वित

अरविन्द पाण्डेय प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने शनिवार को ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना स्वामी विवेकानन्द सशक्तिकरण (डिजीशक्ति) के अंतर्गत छात्र–छात्राओं को निःशुल्क टैबलेट वितरण वितरित किया।

इस दौरान मंत्री नन्दी ने कहा कि

गुणवत्तापूर्ण आधुनिक शिक्षा के साथ ही छात्रों में नागरिक बोध जगाने के लिए 1970 में स्थापित ईश्वर शरण महाविघ्यालय के प्रयास सराहनीय हैं। मंत्री नन्दी ने कहा कि युवाओं को

आधुनिक तकनीकि से जोड़ने और उन्हें टेक्नोसेवी बनाने के उद्देश्य से हमारी सरकार ने युवाओं को मुफ्त स्मार्टफोन और टेबलेट प्रदान करने का अभूतपूर्व निर्णय लिया है। अब तक प्रदेश में 60 लाख से अधिक छात्र–छात्राएं इस योजना से लाभान्वित हुये हैं।

स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत पदान किये जा रहे स्मार्टफोन और टैबलेट आपके समग्र व्यक्तित्व विकास की आधारशिला बनेंगे।

आज के समय में तकनीकि ज्ञान के साथ ही डिजिटल सेवाओं से जुड़ना कार्यकुशलता के लिए अनिवार्य है। हमारी सरकार ने समय की इस आवश्यकता को समझते हुए युवाओं को डिजिटल दुनिया से जोड़ने का अभूतपूर्व निर्णय लिया है!

किसी भी छात्र–छात्रा की आर्थिक पृष्ठभूमि उसके अध्ययन और व्यक्तित्व विकास में बाधा न बने, यह हमारे डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। युवाओं को उनकी योग्यता और परिश्रम के आधार पर प्रगति के समान अवसर प्राप्त हों, यह हमारी प्रतिबद्धता है! यह योजना हमारे उसी संकल्प का प्रत्यक्ष प्रमाण है!

इन स्मार्टफोन और टैबलेट्स का उपयोग छात्रों के अध्ययन को और अधिक सुचारु और प्रभावी बनायेगा! शोध क्षमता और नवाचार में सहयोगी सिद्ध होगा! इस अवसर पर कृष्ण मोहन, प्रधानाचार्य प्रो. आनन्द शंकर सिंह, मनोज कुमार दुबे, श्रीमती गायत्री सिंह, चीफ प्रॉक्टर प्रो. मान सिंह, प्रो. धीरज, डॉ. गौरव राय, पूर्व मंत्री बाबू लाल भंवरा, प्रवक्ता कर्नलगंज इंटर कॉलेज नीरज दीक्षित, भाजपा महानगर उपाध्यक्ष अनिल केसरवानी झल्लर, उपेंद्र सिंह आदि गणमान्यजन मौजूद रहे।

वैश्य अग्रवाल महासभा द्वारा वैश्य शिरोमणि महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया

मेधावी छात्र छात्राओं सहित लगभग 500 प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कृत किया गया

मुजफ्फरनगर। वैश्य अग्रवाल महासभा मुजफ्फरनगर द्वारा ष्वैश्य शिरोमणि महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह 2025ष स्थानीय आशीर्वाद बैंक्विट हॉल में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित व आरती कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष सुनील सिंघल व संचालन महामंत्री नवनीत कुच्छल व कार्यक्रम संयोजक राजीव बंसल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री कपिल देव अग्रवाल राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभात उत्तर प्रदेश सरकार, श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप अध्यक्षा नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर व सुनील गोयल मैनेजिंग डायरेक्टर न्यू मैक्स सिटी मु०नगर सहित अनेकों विशिष्ट अतिथि समाजसेवी भीमसेन कंसल, भाजपा नेता गौरव स्वरूप, रघुराज गर्ग, श्रीमती अंजू अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, संजय जैन एलजी वाले, पराग गोयल, सतीश गोयल सर्राफ, श्रवण गर्ग, प्रेम प्रकाश एडवोकेट, उपेन्द्र बंसल, आदि का स्वागत सम्मान महासभा के कार्यक्रम संयोजक व वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव बंसल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुमित गर्ग, धर्मेंद्र तायल एडवोकेट, वरिष्ठ मंत्री समीर मित्तल, मंत्री राकेश तायल, आयुष गुप्ता आदि ने किया। सभा के संरक्षक विजय गुप्ता विशेष रूप से सहयोग रहा।

कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से वैश्य समाज के बन्धु समाज की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। आज भी वैश्य समुदाय के लोग

वाणिज्य, व्यवसाय और वित्त के क्षेत्र में सक्रिय हैं और समाज में दान व परोपकार के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने केन्द्र की मोदी सरकार व उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा कराए जाने वाले विभिन्न योजनाओं व व्यवस्थाओं पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमती मिनाक्षी स्वरूप ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों द्वारा होनहार मेधावी छात्र–छात्राओं व लगभग 500 से अधिक बच्चों का सम्मान कर अलंकृत किया गया। दोपहर 2रू00 बजे शुरू हुई चित्रकला प्रतियोगिता में लगभग 185 प्रतिभावान बच्चों द्वारा एक से बढ़कर एक चित्र ड्राइंग शीट पर सहेजें गए। दोपहर 3 बजे से मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 99 बालक बालिकाओं ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बूगी वूगी डांस प्रतियोगिता में नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा डांस प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया गया। जिसमें कई बच्चों को तो उपस्थित समाज के बन्धुओं द्वारा सम्मानित किया गया।

चित्रकला प्रतियोगिता (कक्षा शिशु से मुक्त स्तर तक कक्षानुसार अलग अलग ग्रुप्स में) प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान, मेंहदी प्रतियोगिता (कक्षा शिशु से मुक्त स्तर तक कक्षानुसार अलग अलग ग्रुप्स में) प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान, बूगी वूगी डांस प्रतियोगिता (नन्हे मुन्ने प्यारे बच्चे– शिशु कक्षा से कक्षा 6 तक के लगभग 35 बालक बालिकाओं द्वारा) में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान के लिए प्रतिभागी रहे।

मेधावी छात्र/छात्रा सम्मान समारोह (यूं पी बोर्ड हाई स्कूल व इण्टरमीडिएट में 80: से व सी. बी. एस. सी. व अन्य बोर्ड हाई स्कूल व इण्टरमीडिएट में 85: से) में लगभग 235 छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन महाराजा अग्रसेन जी की जय व भोग प्रसाद के साथ किया गया। कार्यक्रम संयोजक राजीव बंसल ने उपस्थित वैश्य बन्धुओं का आभार व्यक्त किया गया।

बेटियों को भाजपा सरकार में मिली सुरक्षा और सम्मान: मीनाक्षी स्वरूप

मिशन शक्ति 5.0 के तहत नई मंडी कोतवाली में हुआ जागरुकता कार्यक्रम, महिलाओं को स्वावलंबी बनने को किया प्रेरित

मुजफ्फरनगर। नई मंडी पुलिस स्टेशन में रविवार को भारत सरकार के महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति 5.0 अभियान के शुभारंभ पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर महिलाओं को सशक्त और स्वावलंबी बनाये जाने के साथ ही उनके सम्मान के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी और जनजागरण के सहारे महिलाओं को मिशन से जोड़ने पर जोर देने के साथ कहा कि भाजपा की सरकारों में महिलाओं और बेटियों को सम्मानजनक सुरक्षित वातावरण मिला है।

नई मंडी थाने में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 केवल एक अभियान नहीं बल्कि महिलाओं के जीवन को सुरक्षित, स्वावलंबी, सशक्त और सम्मानजनक बनाने की दिशा में ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि समाज तभी सशक्त हो

सकता है जब महिलाओं को भयमुक्त वातावरण, बराबरी का दर्जा और आत्मनिर्भरता का अवसर मिले। उन्होंने युवाओं और प्रशासनिक अधिकारियों से अपील की कि वे इस मिशन को जन–जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने अभियान को लेकर महिला पुलिस अधिकारियों से भी जानकारी ली और महिलाओं को उनके अधिकारों के साथ ही सरकारी योजनाओं, सेवाओं और कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उनको जागरुक किया। सीओ न्यू मंडी राजू कुमार शाव ने कहा कि पुलिस प्रशासन महिला सुरक्षा के लिए निरंतर सतर्क है और मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत ठोस कार्य योजनाएं बनाई गई हैं। थाना प्रभारी दिनेश चन्द्र बघेल ने भी भरोसा दिलाया कि पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर तत्पर रहेगी। व्यापारी नेताओं कृष्ण गोपाल मित्तल और सुनील तायल ने आश्वासन दिया कि व्यापारी समाज भी इस अभियान में पुलिस प्रशासन का पूरा सहयोग करेगा। वहीं, युवा भाजपा नेता विकल्प जैन और आशुतोष गुप्ता ने युवाओं से इस मिशन में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन महिला सम्मान व सुरक्षा की शपथ के साथ हुआ। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि समाज में बेटियों और बहनों की गरिमा और सुरक्षा सर्वोपरि होगी। कार्यक्रम में सीओ न्यू मंडी राजू कुमार शाव, थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दिनेश चन्द्र बघेल, व्यापारी नेता कृष्ण गोपाल मित्तल, सुनील तायल, शलभ गुप्ता, युवा भाजपा नेता विकल्प जैन, आशुतोष गुप्ता समेत महिला पुलिस अधिकारी एवं गणमान्य व्यापारी व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज्वेलरी कारीगर लाखों के जेवर लेकर फरार, कई दुकानदारों का सामान लेकर गायब हुआ

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के राजाजीपुरम स्थित ई ब्लॉक मार्केट में ज्वैलरी कारीगर भरोसे का फायदा उठाकर लाखों के जेवर लेकर फरार हो गया। पीड़ित का आरोप है कि कारीगर कई सालों से उनकी दुकान पर काम कर रहा था। शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे ज्वेलरी बनाने के लिए चांदी और सोना ले गया, जिसके बाद नहीं लौटा। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। एलडीए–374 राजाजीपुरम निवासी चन्दन रस्तोगी की श्री बांके बिहारी ज्वैलर्स नाम से दुकान है। दुकान पर सरीपुरा का रहने वाला कारीगर रंजीत कुमार सोनी लंबे समय से काम कर रहा था। आरोप है कि 19 सितंबर की दोपहर करीब 1 बजे वह 18 ग्राम सोने और 650 ग्राम चांदी के जेवर लेकर गायब हो गया। चन्दन रस्तोगी उसके किराए के मकान पर पहुंचे, तो पता चला कि रंजीत उसी दिन मकान खाली कर चुका है। आसपास पूछने पर जानकारी मिली कि वह हंस ज्वैलर्स से भी 20 ग्राम सोना और 650 ग्राम चांदी लेकर फरार हुआ है। पीड़ित का कहना है कि कारीगर ने अन्य दुकानदारों को भी निशाना बनाया हो सकता है। पुलिस को तहरीर दी गई है। मामले में इंस्पेक्टर तालकटोरा का कहना है मुकदमा दर्ज करके आरोपी की तलाश की जा रही है।

जाति आधारित रैलियों पर रोक, एफआईआर में भी नहीं लिखी जाएगी कास्ट, चुनाव से पहले योगी सरकार का बड़ा फैसला

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में योगी सरकार ने भेदभाव को कम करने के लिए के अहम निर्णय लेने जा रही है। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हालही में आदेश जारी किया था कि राज्य के मुख्य सचिव ने सार्वजनिक जगहों, कानूनी दस्तावेजों और पुलिस रिकॉर्ड्स में जाति का उल्लेख किए जाने पर रोक लगाई जाएगी। हाईकोर्ट के द्वारा आदेश जारी करने के बाद से अनुपालन में कार्यवाहक मुख्य सचिव दीपक कुमार ने इस संबंध में नए निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके तहत अब प्रदेश में जाति आधारित रैलियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

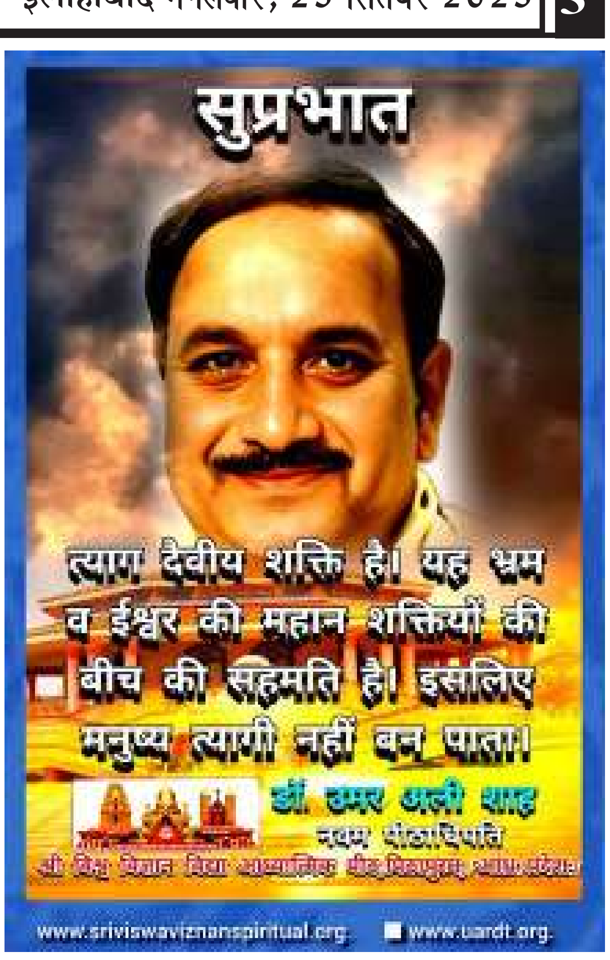

बेला

बेला के संदर्भ में, प्रचलित है यह गाथ।
चुनने वालों का करे, सदा सुगन्धित हाथ।
सदा सुगन्धित हाथ, पुजारिन हो या मुग्धा।
वेणी का श्रंगार, साथ में हरि की पूजा।
सुन लो कहें प्रदीप, न करता कभी झमेला।
खिलता आधी रात, भोर में हँसता बेला।।

जीवन छोटा है मगर, बहुत बड़ा है नाम।
श्वेत रंग का पुष्प, भाव सुगन्ध प्रणाम।
भाव सुगन्ध प्रणाम, भरे अंतस में बेला।
मधुरम करती शाम, भोर में करती खेला।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी का मनभावन बन।
अमर हो गया पुष्प, एक दिन का पा जीवन।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मनुपत्रा विधिक डेटाबेस से सम्बंधित सूचना साक्षरता व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज की केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा रिसर्च सेल और विधि संकाय के सहयोग से मनुपत्रा विधिक डेटाबेस से सम्बंधित सूचना साक्षरता व्याख्यान का आयोजन 22 सितंबर 2025 को महाविद्यालय के नवीन प्रेक्षागृह में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विधि के छात्रों को पारंपरिक पाठ्यक्रम के अलावा कानूनी अध्ययन के उभरते क्षेत्रों से परिचित कराना, उन्हें व्यावहारिक कानूनी ज्ञान से लैस

करना और कानून के क्षेत्र में विभिन्न करियर अवसरों के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनुपत्रा के सेल्स मैनेजर, श्री प्रभाकर जायसवाल ने छात्रों को मनुपत्रा के फीचर्स और उसके व्यावहारिक उपयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के केस लॉ, बिल, अध्यादेश, ड्राफ्ट और अन्य कानूनी फ्रेमवर्क सहित इसके टूल्स को एक्सेस करने और उपयोग करने की पूरी प्रक्रिया को वेबसाइट के माध्यम से विस्तार पूर्वक बताया। साथ ही महाविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. पुनीत कुमार सिंह ने पुस्ताकालय संसाधनों एवं सुविधाओं से छात्र–छात्राओं को अवगत कराया। यह शैक्षणिक पहल सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. अजय प्रकाश खरे के दृष्टिकोण को दर्शाती है और यह कार्यक्रम लाइब्रेरी कमेटी की संयोजक प्रो. अर्चना खरे, रिसर्च सेल की संयोजक प्रो. बबीता अग्रवाल और लॉ फैकल्टी के संयोजक प्रो. एस. एस. सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के आयोजक सचिव डॉ. पुनीत कुमार सिंह, लाइब्रेरियन और श्रीमती रेनू सिंह, बी.ए.एल.एल.बी. (ऑनर्स) की कोऑर्डिनेटर थीं। कार्यक्रम के सभी आगंतुको का स्वागत प्रो. बबीता अग्रवाल, संयोजक, रिसर्च सेल ने किया तथा धन्यवाद् ज्ञापन श्रीमती रेनू सिंह ने किया जबकि कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनुश्री पांडेय ने किया। कार्यक्रम में विधि संकाय के शिक्षक, शोधार्थी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

मोहनलाल के निधन से कलाकारों में गहरा शोक

करछना। चर्चित ढोलक वादक और लोक कलाकार क्षेत्र के महेवा गांव निवासी मोहन लाल यादव 65 का रविवार को निधन हो जाने से स्थानीय कलाकारों में गहरा शोक व्याप्त है। वे कुछ दिनों से लगातार बीमार चल रहे थे।कटका बैरियर पर हुई एक श्रद्धांजलि सभा के दौरान लोक कलाकारों ने उनके स्वभाव और कला की प्रशंसा करते हुए निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। वरिष्ठ लोकगायक पंचम लाल यादव ने कहा कि लगातार मेरे साथ ढोलक पर संगत कर मोहनलाल ने वादन कला जगत में अपनी एक अलग छवि बनाई थी।

उधर बीते दिनों वरिष्ठ लोकगायक बचऊलाल यादव के निधन पर उनकी स्मृतियों को ताजा करते हुए लोक कलाकारों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर वरिष्ठ लोक कलाकार श्याम लाल बेगाना,महानारायण यादव, कमलेश कुमार, रामबाबू यादव,यादव गंगाराम यादव,बेनी प्रसाद यादव,आदित्य प्रसाद यादव,डॉ रमेश यादव,हरविंद यादव, शिवराम प्रधान, दीपक, उद्भव, दयाशंकर समेत कई कलाकारऔर स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय.......

नई शुरुआत की कोई उम्र नहीं

पिछले दिनों बाजार में बहुत पुरानी मित्र से मुलाकात हुई। हम दोनों ने साथ–साथ नौकरियां शुरू की थीं। लेकिन विवाह के बाद उसने नौकरी छोड़ दी। कारण था, उसके पति की बाहर की नौकरी। अक्सर ही स्त्रियों के साथ ऐसा होता है। कुछ दिनों तक तो उससे सम्पर्क रहा, फिर वह भी खत्म हो गया। मोबाइल तो थे नहीं उन दिनों। खैर, इतने दिनों बाद मिलने पर अतीत की तमाम बातें याद आ गईं। फिर बच्चों के बारे में बात होने लगी। पता चला कि उसके दोनों बच्चे विदेश में रहते हैं। पति की मृत्यु हो चुकी है। तो अब यहां अकेली रहती है। कहने लगी कि बच्चों के पास कभी–कभी जाती है, लेकिन रहना अपने देश में ही चाहती है। वहां मन नहीं लगता। फिर उसने बताया कि उसने अपना खाने–पीने का व्यवसाय शुरू किया है। क्योंकि बच्चे जब चले गए, फिर कुछ दिन बाद पति भी, तो समझ में नहीं आता था कि क्या करूं। खाना बनाना हमेशा पसंद रहा, लेकिन अकेली के लिए क्या बनाऊं, तो कई.–कई दिन तक रसोई में जाती ही नहीं थी। लगता था कि बस जीवन यहीं तक था, अब खत्म हुआ। एक दिन सोसाइटी की एक युवा लड़की ने कहा कि काश, उसे घर जैसा खाना खाने को मिलता। यहीं से जैसे कोई क्लू मिला। बस उसने सोसाइटी के लोगों के बहुत से लोगों के नम्बर लेकर एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया। फिर उसी में रोज बताने लगी कि कल क्या बना रही है। कोई चाहे तो आर्डर कर सकता है। खाने के दाम भी ऐसे रखे कि किसी को ज्यादा चुभे नहीं। शुरू में तो एक–दो ही आर्डर आए, अब इतना काम है कि सहायता के लिए दो और लोगों को रखना पड़ा है। उसकी बातें सुनकर अमरीका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा का कुछ दिन पहले का कथन याद आ गया। उन्होंने कहा कि जब से उनकी दोनों बेटियां घर के घोंसले को खाली करके गई हैं, तब से उनकी जिंदगी ठहर सी गई है। वह बहुत अकेलापन महसूस करती हैं। यह कहानी सिर्फ मिशेल ओबामा की ही नहीं, अधिकांश माता–पिता की है। वे माताएं, जो पढ़ी–लिखी हैं, लेकिन बच्चों की जिम्मेदारी उठाने के कारण कभी अपने करियर या अभिरुचियों के बारे में नहीं सोच पाईं। उन सबकी कहानी एक जैसी है। कई माताएं और बहुत से पिता भी इस अकेलेपन को झेल नहीं पाते। जीवन के प्रति आकर्षण जैसे खत्म सा हो जाता है। अब इस उम्र में क्या करें कि बच्चों की कमी महसूस न हो। क्योंकि बच्चे जिस उड़ान पर निकले हैं, उनका भविष्य भी वहीं है। उन्हें तो रोका नहीं जा सकता, न ही पुराने दिनों को वापस लाया जा सकता है। इसलिए जरूरी है कि किसी और काम में मन लगाया जाए। एक महिला के बारे में कुछ दिन पहले पढ़ा था कि उसने यू–ट्यूब पर देखकर पेंटिंग करना सीखा। आज उसकी एक प्रदर्शनी दिल्ली में और एक अमरीका में लग चुकी है। एक अन्य महिला ने ऐसी ही अनेक महिलाओं का ग्रुप बनाया है। वह लाइफ कोच बन गई है। स्त्रियों को बच्चों के चले जाने के बाद के अकेलेपन से निपटने के लिए तरह–तरह के तरीके बताती है। इससे खूब आय भी होती है। एक और महिला ने भी अपनी ही जैसी स्त्रियों का एक ग्रुप बनाया है। ये सब तमाम मेलों में अपने–अपने बनाए खाने को लेकर जाती हैं और कमाई भी करती हैं। ये माह में एक बार कहीं घूमने भी जाती हैं। इस तरह समय भी कटता है और अकेलापन भी महसूस नहीं होता। एक पिता ने एक बार बताया था कि बेटे के बाहर पढने जाने के बाद, उसका घर आने का मन नहीं करता था। न किसी से मिलने–बात करने का। बस बेटे की पुरानी चीजों को देखकर, उसकी यादों में खोए रहकर, हर वक्त आंसू ही बहते रहते थे। दोनों पति–पत्नी एक–दूसरे को दिलासा देते–देते भी रोने लगते थे। फिर उन्होंने संगीत सीखना शुरू किया। अब दोनों नौकरी से लौटने के बाद कई–कई घंटे रियाज करते हैं। बेटे की यादें अब उतनी परेशान नहीं करतीं। बच्चों के बिना घर का जो सूनापन काटने को दौड़ता था, अब वहां संगीत की मीठी धुनें गूंजती हैं। एक अन्य व्यक्ति, जो युवावस्था में बहुत अच्छा गोल्फ खेलता था, उसने फिर से खेलना शुरू किया है। बहुत से लोग अपने वर्षों पुराने शौक और हॉबीज को नए सिरे से जिंदा कर रहे हैं। वे कहते हैं कि जीवन को जीने का यह सबसे अच्छा समय है, जब बच्चे अपनी–अपनी दिशाओं में चले गए हैं तो हर समय रोने–बिसूरने से क्या फायदा। जो तब नहीं कर पाए, अगर अब कर सकते हैं, तो क्यों न आज से ही शुरू किया जाए। बात भी ठीक है। नई शुरुआत करने के लिए कोई भी उम्र बाधक नहीं होती। एक बार मशहूर अभिनेता अशोक कुमार ने बताया था कि उन्होंने छियासठ वर्ष की उम्र में पेंटिंग सीखी थी और बहुत अच्छा पेंट करने लगे थे। आज तो पैंतालीस–पचास साल की उम्र में स्त्रियां एवरैस्ट चढ़ रही हैं। रिटायरमैंट के बाद दुनिया घूमने जा रही हैं। उम्र उनकी राह में रोड़ा नहीं बन रही। कोई भी शुरुआत कहीं से और कभी भी की जा सकती है।

योगी ने यूपी को बीमारू से निकाल कर बुलंदी पर पहुँचाया

नीरज कुमार दुबे

दशकों तक पिछड़ेपन, प्रशासनिक अक्षमता और गरीबी के प्रतीक रहे इस राज्य का अब अधिशेष की श्रेणी में आना एक ऐतिहासिक मोड़ है। इसका मतलब है कि प्रदेश की आय उसके खर्च से अधिक हो रही है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने पहली बार राज्यों की वित्तीय स्थिति पर एक दशक भर का अध्ययन प्रस्तुत किया है। रिपोर्ट में चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि देश के 16 राज्य राजस्व अधिशेष (Revenue Surplus) में हैं। इसमें सबसे आगे उत्तर प्रदेश है, जिसने वित्त वर्ष 2022–23 में 37,000 करोड़ रुपये का अधिशेष दर्ज किया। कभी "बीमारू राज्यों" में गिने जाने वाले उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश अब इस श्रेणी में शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के बाद गुजरात (19,865 करोड़), ओडिशा (19,456 करोड़), झारखंड (13,564 करोड़), कर्नाटक (13,496 करोड़), छत्तीसगढ़ (8,592 करोड़), तेलंगाना (5,944 करोड़), उत्तराखंड (5,310 करोड़), मध्य प्रदेश (4,091 करोड़) और गोवा (2,399 करोड़) जैसे राज्य अधिशेष की सूची में हैं। वहीं अरुणाचल, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम जैसे पूर्वोत्तर के राज्य भी इस सूची का हिस्सा बने। हम आपको यह भी बता दें कि इन 16 राज्यों में से 10 में भाजपा की सरकार है। इसके उलट, 12 राज्य राजस्व घाटे (त्मअमदनम क्मपिबपज) से जूझ रहे हैं। इनमें आंध्र प्रदेश (–43,488 करोड़), तमिलनाडु (–36,215 करोड़), राजस्थान (–31,491 करोड़), पश्चिम बंगाल (–27,295 करोड़), पंजाब (–26,045 करोड़), हरियाणा (–17,212 करोड़), असम (–12,072 करोड़), बिहार (–11,288 करोड़), केरल (–9,226 करोड़), हिमाचल प्रदेश (–6,336 करोड़), महाराष्ट्र (–1,936 करोड़) और मेघालय (–44 करोड़) शामिल हैं। सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल, केरल, हिमाचल और पंजाब जैसे राज्य अब केंद्र से मिलने वाले त्मअमदनम क्मपिबपज ळतंदजे पर टिके हैं। वर्ष 2023 में केंद्र ने कुल 1.72 लाख करोड़ रुपये अनुदान दिए, जिसमें से 86,201 करोड़ सिर्फ राजस्व घाटा पाटने के लिए थे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि हरियाणा, तेलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्यों ने स्वयं का कर एवं गैर–कर राजस्व बढ़ाकर वित्तीय आत्मनिर्भरता दिखाई है। वहीं पूर्वोत्तर के राज्य और बिहार–हिमाचल जैसे प्रदेश अब भी केंद्र के कर हिस्से और अनुदानों पर बहुत अधिक निर्भर हैं। दूसरी ओर, कभी ष्बीमारू राज्योंष के नाम से पहचाने जाने वाले उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश आज राजस्व अधिशेष की सूची में शीर्ष पर हैं तो यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अच्छा समाचार है। देखा जाये तो नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (ब।ळ) की ताज़ा रिपोर्ट केवल आँकड़ों का लेखा–जोखा नहीं है, बल्कि यह भारत के बदलते आर्थिक भूगोल की कहानी भी कहती है। उत्तर प्रदेश ने 37,000 करोड़ रुपये के अधिशेष के साथ सभी राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। दशकों तक पिछड़ेपन, प्रशासनिक अक्षमता और गरीबी के प्रतीक रहे इस राज्य का अब अधिशेष की श्रेणी में आना एक ऐतिहासिक मोड़ है। इसका मतलब है कि प्रदेश की आय उसके खर्च से अधिक हो रही है। आधारभूत संरचना में निवेश, औद्योगिक गलियारों का विकास और कर संग्रहण क्षमता में सुधार इस परिवर्तन के प्रमुख कारण माने जा सकते हैं। उत्तर प्रदेश के पुराने हालात पर गौर करें तो यहां कमज़ोर बुनियादी ढाँचा, प्रशासनिक ढिलाई और निवेश के प्रति अविश्वास ने दशकों तक इसकी प्रगति को थामे रखा। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में तस्वीर बदलती दिख रही है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (ब।ळ) की रिपोर्ट केवल आँकड़ों की जीत नहीं, बल्कि उस सतत परिश्रम का परिणाम है जो मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ के नेतृत्व में किया गया है। योगी सरकार ने वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और आधारभूत ढाँचे में निवेश को प्राथमिकता दी। कानून–व्यवस्था की मजबूती से निवेशकों का भरोसा लौटा, औद्योगिक गलियारों, एक्सप्रेस–वे और एयरपोर्ट जैसे प्रोजेक्ट्स ने राज्य को नई पहचान दी। यही कारण है कि आज उत्तर प्रदेश केवल अधिशेष का प्रतीक नहीं है, बल्कि वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनॉमी बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। हालाँकि यह लक्ष्य कठिन है। लेकिन जिस गति से राज्य ने ष्बीमारूष की छवि को तोड़कर राजस्व अधिशेष का मुकाम हासिल किया है, उसी गति से यदि निवेश, शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार जारी रहे, तो यह सपना असंभव नहीं है। उत्तर प्रदेश की नई कहानी यह बताती है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता से किसी भी राज्य की किस्मत बदली जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, गुजरात, ओडिशा, झारखंड, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों का अधिशेष यह दिखाता है कि आर्थिक संसाधनों का उपयोग बेहतर तरीके से किया जा रहा है। विशेषकर झारखंड और ओडिशा जैसे खनिज संपन्न राज्यों ने संसाधनों को राजस्व में बदलने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। पूर्वोत्तर के छोटे–छोटे राज्य भी अधिशेष की सूची में हैं जो यह संकेत देता है कि केंद्र से प्राप्त सहायता और स्थानीय कर संग्रहण मिलकर उन्हें संतुलन में ला रहे हैं।

हिन्दी पखवाड़ा के संदर्भ में 'हिन्दी उर्दू संगम' की गोष्ठी संपन्न

'हर भूले को लगता जैसे, रस्ता दिखलाती है हिन्दी'.... संगीता श्रीवास्तव

प्रयागराज। हिन्दी उर्दू के वरिष्ठ रचनाकार जनाब अनवार अब्बास की सदारत/अध्यक्षता में उनके निवास ताहिरा हाउज़, अहमदगंज प्रयागराज में हिंदी पखवाड़ा के सिलसिले से निशस्त/गोष्ठी आयोजित हुई जिसका संचालन पत्रकारिता कर चुकी शाइरा/कावित्री संगीता सुमन ने की।

गोष्ठी में दोहा सम्राट डाक्टर प्रदीप चित्रांशी जी मुख्य अतिथि तथा बसंत कुमार जी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस दो सत्रीय गोष्ठी के पहले सत्र हिंदी के विषय में विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि उर्दू और हिन्दी दोनों ज़बानों/भाषाओं के बुनियादी शाइर/कवि अमीर ख़ुसरो थे।

यानि अमीर ख़ुसरो ने जिस मिली जुली ज़बान/भाषा में शायरी की वही हिंदी और उर्दू का बीज साबित हुई। ऐसे में यह कहना ग़लत न होगा कि उर्दू और हिन्दी ज़बानें एक ही बीज से पैदा दो फ़स्लें हैं।

हिन्दोस्तान के अलग–अलग इलाक़ों में बोली जाने जाने वाली ज़बानें और बोलियाँ इस मुल्क की विरासत हैं।जिन के दरमियान कभी किसी तरह का कोई इख़्तेलाफ़/विरोध नहीं था। जब अंग्रेज़ों ने धर्म दीन,इलाक़ा और ज़बानों के फ़र्क़ का बीज इस मुल्क में जब बोया तो हिन्दोस्तानी अलग अगल उनवान से बंटे जिस से इस मुल्क के इत्तेहाद और समाजी गठजोड़ को नुक़सान हुआ।

अंग्रेज़ों के किये हुई बंगाल के बंटवारे ने आगे चल कर मुल्क के बंटवारे की बदतरीन शक्ल अख़्तियार की। तक़सीम और आज़ादी के बाद अपने अर्ज़ ओ तूल पर फैले हुए हिंदोस्तान में क्षेत्रवाद का रोग भी बंगाल बंटवारे से ही फैला हुआ बुरा रोग है। आज जो ज़बानों को मज़हबों से तोड़ने की हरकत हो रही है ,वह जाने– अंजाने में अंग्रेज़ी फ़िक्र की ही पैदावार है।

ज़बानें/भाषायें बोलने वालों की होती हैं, वह किसी धर्म दीन की मिल्कियत या मीरास नहीं। दीन धर्म दुनिया भर की ज़बानों से अपना काम निकालते हैं। ज़बानों/भाषाओं की कोई सरहद भी नहीं होती। इलाक़ों में वजूद पाने वाली ज़बानें अपने बोलने वालों के साथ अपनी सरहद फैलाती रहती हैं।

हर साल की तरह हिंदोस्तान में और हिंदोस्तान के बाहर भी हिन्दी बोलने वाले हिंदी पखवाड़ा मना रहे हैं तो उर्दू वाले भी इस में शामिल हैं,और ऐसा क्यों न हो हिन्दी उर्दू एक कोख से पैदा होने वाली दो जुड़वां ज़बानें/भाषायें हैं। यह मुल्क साझा संस्कृति/तहज़ीब वालों का मुल्क है। हमेशा गंगा जमुनी था और रहेगा,इसका संगमी हुस्न/सौंदर्य कभी ख़त्म होने वाला नहीं।

गोष्ठी का दूसरा सत्र काव्य पाठ का सत्र था जिस में हिन्दी– उर्दू रचनाकारों ने अपनी अपनी रचनायें प्रस्तुत कीं।रचनाओं की निम्नलिखित पंक्तियां विशेष रूप से सराहनीय रहीं.....

ध्यान से हाव भाव देखते हैं
घाव दे कर वो घाव देखते हैं
अनवार अब्बास

यादों की दे पोटली ,
खुशहाली की छांव
पितृ गये हंसते हुए, अपने–अपने ठांव
डाक्टर प्रदीप चित्रांशी

आये निरंतर ही यहां
कोविद तरंगण तीर के
इस रंग शाला में रहे
और दे गये कुछ पीर को
जो मूक हो कर भी सदा
ज्ञानी के चक्षु को खोलती
ना डोलती ना बोलती
पीयूष रस ही घोलती
उमेश श्रीवास्तव

प्रेम सागर में लगा कर डुबकियां
रात भर तकिया भिगोते हैं नयन
बसंत कुमार

आंखों को जो देखूं उन की
कोई दिव्य झील सी लगती हैं
धीमे धीमे से उतरूं उस में
ऐसा भी दिल करता है
संजय सक्सेना

पांव किसके पड़े हैं गुलशन में
आज फूलों में ताज़गी सी है
रचना सक्सेना

आप क्यूं आ गए हैं दुनिया में
आप का कौन यहां बैठा है
कुमैल रिज़वी

जवां है मौसम लरज़ रही है गुलाब की पंखुड़ी पे शबनम
तुम्हारे नश्शे में डूब जाने के वास्ते बेक़रार हैं हम
सुनैना त्रिपाठी

माहौल में सजा के अंधेरों का इक फ़रेब
जुगनू को मैंने देख लिया रोशनी में कल
अम्बर वसीम

हर भाषा–भाषी को सबसे पहले यह भाती है हिन्दी,
हर भूले को लगता जैसे रस्ता दिखलाती है हिंन्दी
संगीता सुमन

शाखे हसरत पे आशियाना है
दर्द– ए– दिल तुझ को गीत गाना है
जाफ़र अस्करी

रक़्स कर खुद ही अपनी खुशबू में
गुलफ़िशानी नसीब हो तुझ को
राहिब मिर्ज़ा

इस निशस्त/गोष्ठी में उपरोक्त सद्र/अध्यक्ष, अतिथिगण एवं संचालक के अतिरिक्त डाक्टर रचना सक्सेना, कुमैल रिज़वी, सुनैना त्रिपाठी, अम्बर वसीम, संजय सक्सेना,जाफ़र अस्करी,राहिब मिर्ज़ा और सुरेंद्र त्रिपाठी सम्मिलित हुए।

भारत बनाम अमेरिका,रिश्तो की नई इबारत

संजीव ठाकुर

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के शुरुआती दिनों में 1947 से 1964 तक भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू और अमेरिकी राष्ट्रपतियों के बीच संबंध कभी गर्मजोशी से भरे तो कभी अविश्वास से ग्रस्त रहे। भारत और अमेरिका के बीच समानांतर स्थाई मित्रता कभी कभार ही देखने को मिली है। भारत की शांतिपूर्ण गुटनिरपेक्ष नीति और अमेरिका की पाकिस्तान–समर्थक रणनीति इस रिश्ते की सबसे बड़ी बाधाएँ थीं,फिर भी लोकतंत्र के साझा मूल्यों और खाद्यान्न व सैन्य सहयोग ने संवाद को जीवित रखा। 1962 का भारत–चीन युद्ध एक ऐसा मोड़ साबित हुआ जिसने दिखा दिया कि जब हित टकराएँ तो दूरी रहती है, लेकिन जब जरूरत पड़े तो दोनों साथ भी खड़े हो सकते हैं। 1947 से 1953 भारत की स्वतंत्रता के समय व्हाइट हाउस में हैरी एस. ट्रूमैन थे। उनका ध्यान यूरोप के पुनर्निर्माण और सोवियत संघ को रोकने पर था। अमेरिका चाहता था कि भारत अमेरिका के साथ रूस के विरोधी खेमे में शामिल हो जाए किन्तु नेहरू जी ने रूस के विरुद्ध किसी भी सैन्य गठबंधन और किसी भी समझौते से दूरी बनाये रखी थी जिससे अमेरिका भारत के संबंधों में निराशा हुई और जिसके कारण भारत और अमेरिका दोनों देशों के रिश्ते शुरुआती वर्षों में औपचारिक ही रहे। 1953 से 1963 ड्वाइट डी. आइजनहावर के कार्यकाल में भारत अमेरिकी रिश्तों में कुछ गर्माहट आई थी, 1959 में वे भारत आए और संसद को संबोधित करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने। खाद्यान्न संकट के दौरान पीएल 480 योजना के अंतर्गत अमेरिका ने भारत को बड़ी मात्रा में गेहूँ उपलब्ध करा कर खाद्यान्न संकट में मदद की थी। लेकिन दूसरी तरफ इसी दौर में अमेरिका पाकिस्तान को भरपूर सैन्य और आर्थिक मदद भी दे रहा था। जिसके फलस्वरुप पाकिस्तान भारत पर आक्रमण की तैयारी में लग गया था यह भारत के लिए गहरी चिंता और सैनिक परेशानियों का का कारण बन गया था। वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के बाद 2014 से अब तक अमेरिका में राष्ट्रपति बराक ओबामा,जो बाईडेन और फिर दोबारा डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने तक भारत के संबंध अमेरिका से काफी मधुर रहे हैं। किंतु डोनाल्ड ट्रंप की दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के कुछ समय पश्चात डोनाल्ड ट्रंप भारत के लिए अविश्वसनीय राष्ट्रपति बन गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप का झुकाव अचानक पाकिस्तान की तरफ अपने निजी हितों के कारण ज्यादा होने लगा है, जिसके कारण भारत पर भारत से अमेरिका में आयातित आवश्यक सामग्रियों पर 50: टैरिफ आरोपित कर दिया है, जिसका बड़ा कारण भारत द्वारा रुस से कच्चा तेल खरीद कर उसे परिष्कृत कर यूरोपीय राष्ट्रों को बेचना बताया गया है। जिससे भारत तथा अमेरिका के रिश्ते मैं काफी खटास आ गई है और भारत के लिए एक आर्थिक संकट उभर कर सामने आ गया है।इधर चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन की महत्वपूर्ण बैठक में भारत,रूस और चीन एक ही मंच पर नए गठबंधन में खड़े दिखाई दिए इस नई साझेदारी से डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय देशों में बेचैनी काफी बढ़ गई है। पूर्व में पिछले दो दशकों से भारत एवं अमेरिका वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा रहे थे। पिछले कुछ दशकों में यह संबंध केवल कूटनीति और सुरक्षा तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और संस्कृति तक विस्तारित हुए हैं। यही कारण है कि इन रिश्तों के भविष्य को लेकर लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी बहस और विश्लेषण होता रहा है। वर्तमान में भारत और अमेरिका रणनीतिक साझेदार समझता एवं मानता है। अमेरिका ने भारत को " मेजर डिफेंस पार्टनर का दर्जा दिया है। दोनों देशों के बीच रक्षा सौदे, सैन्य अभ्यास और तकनीकी हस्तांतरण जैसे मुद्दों पर सहयोग लगातार गहराता और आगे बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भी दोनों तत्परता से एक दूसरे के साथ काम कर रहे हैं। अमेरिका और भारत शिक्षा और संस्कृति भी रिश्तों की अहम कड़ी बने हैं। भारतीय छात्रों की सबसे बड़ी संख्या अमेरिका में पढ़ाई करतें है, जो दोनों समाजों के बीच मानवीय और सांस्कृतिक पुल का काम करती है। परंतु ताजा खबरों के हिसाब से शिक्षा के लिए भारत से जाने वाले छात्रों पर बड़ी रकम आवर्जन के लिए तय कर दी है जिससे छात्रों को और भारत सरकार को बड़ी आर्थिक हानि होने का अंदेशा भी है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लगातार प्रगति तथा उन्नती पर हैं। अमेरिका भारत के लिए सबसे बड़ा निर्यातक बाजार है। वहीं, अमेरिका की कंपनियाँ भारत को उसकी विशाल जनसंख्या को मद्देनजर रख एक उभरते हुए विशाल उपभोक्ता बाजार के रूप में देखती हैं। चीन पर भारत की निर्भरता कम करने की वैश्विक रणनीति में अमेरिका तथा यूरोपीय देश भारत को विशेष स्थान देने लगे हैं। हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन का बढ़ता दबदबा भारत और अमेरिका को करीब ला रहा है। संयुक्त अभ्यास, हथियार निर्माण और साइबर सुरक्षा में सहयोग इस दिशा को और मजबूत बना सकता है।एआई, क्वांटम कम्प्यूटिंग और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सहयोग नए अवसरों के द्वार खोल रहा है। "डिजिटल इंडिया" और "सिलिकॉन वैली" का मेल इनोवेशन को नई दिशा दे सकता है।ग्रीन टेक्नोलॉजी और स्वच्छ ऊर्जा निवेश आने वाले वर्षों में दोनों देशों की साझेदारी को वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका में ला सकते हैं। नेट–जीरो लक्ष्यों की ओर बढ़ते कदम इसमें महत्वपूर्ण रहेंगे।हालाँकि रिश्तों में चुनौतियों की कमी नहीं है। टैरिफ, बौद्धिक संपदा अधिकार और बाजार पहुँच को लेकर मतभेद बने हुए हैं। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता भी एक बड़ा मुद्दा है, क्योंकि नई दिल्ली की सरकार रूस और अन्य देशों से अपने संबंधा और मजबूत बनाए रखना चाहती है।मानवाधिकार, अल्पसंख्यक अधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों के सवाल पर अमेरिका की समय–समय पर की जाने वाली आलोचना भी रिश्तों को जटिल और भारतीय लोकतंत्र को परेशान करने वाला बनाती है। इसके अलावा अमेरिका में चुनावी राजनीति और प्रशासनिक बदलाव विदेश नीति में अस्थिरता ला सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में भारत–अमेरिका रिश्ते "साझा हितों पर आधारित साझेदारी" की दिशा में आगे प्रगति करने वाले होंगे तो ही आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक क्षेत्र में सहयोग मजबूत होने की संभावना बलवती होगी, लेकिन यह संबंध लंबी दूरी की दोस्ती या औपचारिक दोस्ती की बजाय एक व्यावहारिक साझेदारी का रूप लेने का कयास लगाया जा रहा है। यदि दोनों देश मौजूदा मतभेदों को सुलझाने में सफल होते हैं और अवसरों का सही उपयोग करते हैं, तो यह रिश्ता 21वीं सदी की वैश्विक राजनीति में निर्णायक तथा महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। भारत और अमेरिका के रिश्ते केवल दो देशों की कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह पूरी दुनिया की शक्ति संतुलन को प्रभावित करते हैं।

मुझे कोई खुशी नहीं हुई..सुशांत केस में क्लीन चिट मिलने पर फूट-फूटकर रोईं थीं रिया चक्रवर्ती, बोलीं- मेरा करीबी चला गया

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में काफी चर्चा में आई थीं। उन्हें इस केस में खूब बदनाम किया गया था और सुशांत को सुसाइड के लिए उकसाने जैसे गंभीर आरोप लगे थे। वहीं, पिछले दिनों रिया चक्रवर्ती को इस मामले में सीबीआई से क्लीन चिट मिल गई थी और उनको बेगुनाह बताया गया था। वहीं, अब हाल ही में रिया ने क्लीन चिट मिलने के बाद की जर्नी के बारे में बात की है। बताया है। रिया ने वह पल याद किया कि जब सुशांत की मौत केस में उनके क्लीन चिट होने की खबर आई है। वह एकदम भावुक पल था। रिया ने यह भी बताया कि इस केस का उन पर और परिवार पर क्या असर पड़ा और कैसे सबकुछ बदलकर रख दिया। हाल ही में रिया चक्रवर्ती ने मीडिया के साथ बातचीत में उस पल को याद किया कि जब सुशांत की मौत मामले में उनके क्लीन चिट होने की खबर आई। वह एकदम भावुक पल था। रिया ने यह भी बताया कि इस केस का उन पर और परिवार पर क्या असर पड़ा और कैसे सबकुछ बदलकर रख दिया। बातचीत में रिया चक्रवर्ती ने बताया कि जब उनको इस मामले में 4 साल 6 महीने बाद क्लीन चिट मिली तो वह रोने लगी थीं। उन्होंने इस बारे में कहा, 'उस दिन मेरे घर में सब रो पड़े। मैंने अपने भाई को गले लगाया और फूट-फूट कर रो पड़ी। जब मैंने पैरेंट्स को देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि हम सब हमेशा के लिए बदल गए हैं। अब हम पहले जैसे बेफिक्र नहीं रहे। उस पल ने हमें हमेशा के लिए बदल दिया। रिया ने आगे कहा, शजिस दिन यह हुआ, मेरी मॉम ने बताया कि न्यूज चौनल बता रहे हैं कि सीबीआई ने मुझे क्लीन चिट दे दी है। मुझे यकीन नहीं हुआ। मैंने सोचा कि यह सच नहीं हो सकता, मीडिया तो वैसे भी सच नहीं दिखाता। मैंने तब तक इंतजार किया जब तक मेरे वकील ने मुझे इसकी पुष्टि नहीं कर दी। रिया चक्रवर्ती ने कहा कि सीबीआई से क्लियरेंस मिलना उनके लिए काफी अजीब अनुभव था। वह बोलीं, जब मुझे क्लीन चिट मिली, तो मैं खुश नहीं थी। असल में, मुझे पता था कि मेरा कोई बहुत करीबी चला गया है, और इसे कोई नहीं बदल सकता। लेकिन मुझे पैरेंट्स के लिए थोड़ी राहत मिली। वो समाज में रहते हैं और लगातार लोगों का सामना करते रहते हैं। उनके लिए हालात बहुत मुश्किल हो गए थे। मुझे लगा कि शायद अब वो थोड़ा और आजादी से घूम-फिर सकेंगे। बेशक रिया चक्रवर्ती को क्लीन चिट मिलने के बाद थोड़ी राहत मिली, लेकिन एक्ट्रेस का कहना है कि इससे उन्हें पूरी खुशी कभी नहीं मिल सकती। लोगों ने कहा कि वह तुम्हारी वजह से नहीं गया। मुझे हमेशा से पता था कि मैंने कुछ नहीं किया है। लेकिन जब क्लीन चिट मिली, तब भी मुझे कोई खुशी नहीं हुई। मैं सिर्फ पैरेंट्स के लिए खुश थी। मालूम हो कि सुशांत सिंह राजपूत 14 जून 2020 को अपने बांद्रा स्थित फ्लैट में मृत पाए गए थे। इस मामले में पुलिस ने तब कथित गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती को हिरासत में ले लिया था। रिया पर सुशांत को मौत के लिए उकसाने का आरोप लगा था। करीब 4 साल 6 महीने तक यह केस चला, जिसके बाद सीबीआई ने उन्हें क्लीन चिट दी थी।

> "रिया ने वह पल याद किया कि जब सुशांत की मौत केस में उनके क्लीन चिट होने की खबर आई है। वह एकदम भावुक पल था। रिया ने यह भी बताया कि इस केस का उन पर और परिवार पर क्या असर पड़ा और कैसे सबकुछ बदलकर रख दिया। हाल ही में रिया चक्रवर्ती ने मीडिया के साथ बातचीत में उस पल को याद किया कि जब सुशांत की मौत मामले में उनके क्लीन चिट होने की खबर आई। वह एकदम भावुक पल था।

मौत से कई महीने पहले जुबिन गर्ग ने बताई थी आखिरी इच्छा, कहा था-जब मैं मरूं तो मुझे ब्रह्मपुत्र में बहा देना

या अली गाने से पॉपुलर हुए असम के मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग की अचानक मौत से हर कोई सदमे में है। सिंगर की 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान मौत हो गई थी। इसी बीच हाल ही दिवंगत का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने अपनी आखिरी इच्छा जाहिर की थी। तो आइए जानते हैं जुबीन की लास्ट विश क्या थी... जुबिन गर्ग ने जनवरी 2025 में एक दिए इंटरव्यू में बताया था कि वह अपने आखिरी दिन कैसे और कहां बिताना चाहेंगे। वह बोले थे, मैं पागल हूं। मैं अपना सब कुछ लोगों को देना चाहता हूं। अपने लिए नहीं। मैं यहां खुश हूं। मेरा अपना स्टूडियो है, यही मेरा घर है। मैं अपनी जिंदगी के आखिरी पल टिल्ला में बिताना चाहता हूं। यह जगह महाबहू ब्रह्मपुत्र रिवर हेरीटेज सेंटर के अंदर आती है। जुबिन गर्ग ने आगे कहा था, यह एक अच्छी जगह है। यह सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यहां एक छोटा सा बंगला होगा। मैं वहीं रहूंगा और वहीं मरूंगा। जब मैं मरूं तो लोग मुझे वहीं जला दें। या फिर मुझे ब्रह्मपुत्र में बहा दें। मैं एक सिपाही हूं। मैं एक रैम्बो जैसा हूं। बता दें, रविवार को जुबिन गर्ग की अंतिम यात्रा निकाली गई, जहां उनके लाखों फैंस का हुजूम उमड़ा। गुवाहाटी से सिंगर का शव सुरक्षाबलों के बीच अर्जुन भोगेश्वर बरुआह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ले जाया गया, जहां लोगों को अंतिम दर्शन का अवसर मिला। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया।

'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग के बीच घायल हुए सलमान खान, एक हफ्ते तक नहीं कर पाएंगे काम

सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर चर्चा में हैं। फिलहाल, वह इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इसी बीच एक्टर को लेकर बड़ी खबर सामने आई है, जिसने उनके फैंस को चिंता में डाल दिया है। बताया जा रहा है कि सलमान खान फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हो गए हैं। सलमान खान हाल ही में 'बैटल ऑफ गलवान' के लद्दाख शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर मुंबई लौटे थे और नई लोकेशन पर इसके अगले शेड्यूल की शूटिंग हो रही थी, जहां से उनके घायल होने की खबर आ रही है। एक रिपोर्ट की माने तो, 'सलमान खान अपनी पूरी टीम के साथ लद्दाख में 10 डिग्री से भी कम तापमान में फिल्म बैटल ऑफ गलवान की लगातार शूटिंग कर रहे थे, वो भी बिना ब्रेक लिए हुए। अब वह शूटिंग सेट पर घायल हो गए हैं। उन्होंने अपने शरीर पर लगीं चोटों से जूझते हुए, कम ऑक्सीजन और खराब मौसम में भी फिल्म की शूटिंग को पूरा किया। ऐसे में उन्हें कुछ छोटी मोटी चोटें आई हैं, जिसके चलते उन्हें शूटिंग रोकनी पड़ी। फिलहाल सलमान खान ब्रेक पर हैं और एक हफ्ते आराम करेंगे। गौरतलब है, सलमान खान को आखिरी बार फिल्म सिकंदर में देखा गयाथा, जो सिनेमाघरों में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। इस फ्लॉप फिल्म के बाद अब सलमान 'बैटल ऑफ गलवान' में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते और इसमें जी-जान डालने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

जैकलीन फर्नांडिस ने खटखटाया एससी का दरवाजा, महाठग सुकेश से जुड़े 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले से पाना चाहती हैं छुटकारा

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस एक बार फिर कानूनी मुश्किलों के चलते सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर और चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की मांग की है। यह मामला ठग सुकेश चंद्रशेखर के 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस से जुड़ा है, जिसमें उनका नाम काफी समय से चर्चा में बना हुआ है। जैकलीन के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि अभिनेत्री को इस बात की जानकारी नहीं थी कि सुकेश से मिले गिफ्ट्स अवैध रूप से अर्जित धन से खरीदे गए थे। उनका कहना है कि जैकलीन को इस पूरे मामले में जानबूझकर फंसाया गया है, जबकि उनका मनी लॉन्ड्रिंग या ठगी जैसी गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं है। जैकलीन का कहना है कि वह अपनी इमेज और करियर को बचाने के लिए इस केस से बाहर निकलना चाहती हैं। इससे पहले जैकलीन ने दिल्ली हाईकोर्ट में भी इसी मामले में याचिका लगाई थी, लेकिन अदालत ने उनकी अर्जी खारिज कर दी थी। अब हाईकोर्ट के फैसले से निराश होकर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। पिछली सुनवाई में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्पष्ट कहा था कि विशेष अदालत चार्जशीट पर संज्ञान ले चुकी है, इसलिए इस चरण पर जैकलीन की याचिका स्वीकार्य नहीं है। आपको बता दें कि सुकेश चंद्रशेखर पर बड़े-बड़े बिजनेसमैन, राजनेताओं और हाई-प्रोफाइल लोगों से ठगी करने के आरोप हैं। ईडी की जांच में सामने आया कि उसने जैकलीन को करोड़ों रुपये के गिफ्ट्स दिए थे। इन गिफ्ट्स में महंगी गाड़ियां, ज्वेलरी और इंटरनेशनल डिजाइनर ब्रांड्स शामिल थे। इन्हीं गिफ्ट्स के चलते जैकलीन का नाम मनी लॉन्ड्रिंग केस से जुड़ा और उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू की गई। वर्कफ्रंट की बात करें तो जैकलीन फर्नांडिस को आखिरी बार 'हाउसफुल 5' में देखा गया था। इस मल्टीस्टारर फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, संजय दत्त, चित्रांगदा सिंह और कृति खरबंदा भी शामिल थे। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई थी और फ्लॉप साबित हुई थी।

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित होंगे सुपरस्टार मोहनलाल, पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा- उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को..

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज एक्टर मोहनलाल ने हमेशा अपने कामों और अदाकारी से लोगों का दिल जीता है। वहीं, अब एक्टर को सिनेमा में योगदान के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया जाएगा। यह भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है और उन्हें यह अवॉर्ड 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में 23 सितंबर 2025 को प्रदान किया जाएगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'र पर इसकी पुष्टि करते हुए लिखा, मोहनलाल की सिनेमाई यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। उन्हें एक्टर, निर्देशक और निर्माता के रूप में भारतीय सिनेमा में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है। इस अचीवमेंट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोहनलाल को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, मोहनलाल बहुमुखी प्रतिभा का प्रतीक हैं। मलयालम सिनेमा और रंगमंच में दशकों से उनका योगदान अद्वितीय है। केरल की संस्कृति के प्रति उनका जुनून और तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में उनके शानदार अभिनय ने उन्हें भारतीय सिनेमा का स्तंभ बना दिया है। उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। बता दें, 1960 में जन्मे मोहनलाल का करियर चार दशक से भी अधिक लंबा रहा है। उन्होंने अब तक 400 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया है। मुख्य रूप से मलयालम सिनेमा में सक्रिय रहने के बावजूद उन्होंने तमिल, हिंदी, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने 18 साल की उम्र में थिरनोत्तम (1978) से अभिनय की शुरुआत की थी, हालांकि यह फिल्म 25 साल तक रिलीज नहीं हो सकी। उनका वास्तविक डेब्यू मंजिल विरिंजा पुक्कल (1980) से हुआ, जिसमें उन्होंने एक नेगेटिव किरदार निभाया था।

आंतरिक शक्ति का पर्व, मां दुर्गा की कृपा से पाएं सभी सिद्धियां और सुख-समृद्धि

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में नवरात्रि का स्थान अद्वितीय है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं बल्कि आध्यात्म, सामाजिक एकता और सत्य पर असत्य की विजय का प्रतीक पर्व है। नवरात्रि का यह पर्व हमें याद दिलाता है कि संघर्षों और अंधकार के बीच भी धर्म, न्याय और करुणा की शक्ति अजेय रहती है।

शारदीय नवरात्रि 2025 की महत्वपूर्ण तिथियाँ

नवरात्रि प्रारंभ (प्रतिपदा)रू 22 सितंबर 2025, सोमवार

द्वितीयारू 23 सितंबर, मंगलवार

षष्ठीरू 27 सितंबर, शनिवार

महाअष्टमीरू 29 सितंबर, सोमवार

महानवमीरू 30 सितंबर, मंगलवार

दशहरा (विजयादशमी): 1 अक्टूबर, बुधवार

इन तिथियों पर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाएगी। प्रत्येक दिन साधक विशेष विधियों से देवी का आह्वान करते हैं और उनसे शक्ति, समृद्धि तथा ज्ञान की कामना करते हैं।

मां दुर्गा के नौ स्वरूप और पूजन परंपरा

नवरात्रि का हर दिन देवी के एक विशेष स्वरूप को समर्पित होता है।

शैलपुत्री – स्थिरता और दृढ़ता का प्रतीक।

ब्रह्मचारिणी – तपस्या और संयम का संदेश।

चंद्रघंटा – साहस और निर्भीकता की मूर्ति।

कूष्मांडा – सृजन और ऊर्जा की अधिष्ठात्री।

स्कंदमाता – मातृत्व और सुरक्षा की प्रतीक।

कात्यायनी – धर्म की रक्षा हेतु संकल्पशक्ति।

कालरात्रि – बुराई का संहार करने वाली।

महागौरी – पवित्रता और शांति का प्रतीक।

सिद्धिदात्री – समस्त सिद्धियों की प्रदायिनी।

पूजा विधि में वेदी पर देवी का विधिवत् प्रतिष्ठापन, कलश स्थापना, मंत्रोच्चारण, दीप प्रज्वलन और देवीसूक्तम का पाठ शामिल है। श्रद्धालु उपवास रखते हैं और नौ दिनों तक संयम का पालन करते हैं।

पूजन विधि

वेदी पर रेशमी वस्त्र से आच्छादित सिंहासन स्थापित करें। उसके ऊपर चार भुजाओं तथा उनमें आयुधों से युक्त देवी की प्रतिमा स्थापित करें। भगवती की प्रतिमा रत्नमय भूषणों से युक्त, मोतियों के हार से अलंकृत, दिव्य वस्त्रों से सुसज्जित, शुभलक्षण सम्पन्न और सौम्य आकृति की हो। वे कल्याणमयी भगवती शंख. चक्र.गदा.पद्म धारण किये हुये हों और सिंह पर सवार हों अथवा अठारह भुजाओं से सुशोभित सनातनी देवी को प्रतिष्ठित करें। भगवती की प्रतिमा के अभाव में नवार्णमन्त्र युक्त यंत्र को पीठ पर स्थापित करें और पीठ पूजा के लिये पास में कलश भी स्थापित कर लें। वह कलश पंचपल्लव युक्त, उत्तम तीर्थ के जल से पूर्ण और सुवर्ण तथा पंचरत्नमय होना चाहिये। पास में पूजा की सब सामग्रियां रखकर उत्सव के निमित्त गीत तथा वाद्यों की ध्वनि भी करानी चाहिये। हस्त नक्षत्र युक्त नन्दा तिथि में पूजन श्रेष्ठ माना जाता है। पहले दिन विधिवत् किया हुआ पूजन मनुष्यों का मनोरथ पूर्ण करने वाला होता है। सबसे पहले उपवास व्रत, एकभुक्त व्रत अथवा नक्तव्रत इनमें से किसी एक व्रत के द्वारा नियम करने के पश्चात् ही पूजा करनी चाहिये। कथा सुनने के बाद माता की आरती करें और उसके बाद देवीसूक्तम का पाठ अवश्य करें। आदिकाल में शुम्भ.निशुम्भ की क्रूरता और प्रकोप इतना फैला हुआ था कि देवता भी भयभीत होकर प्राणों की सुरक्षा के लिए विचलित हो उठे थे। उस समय देवताओं ने एकत्र होकर असुरों का संहार करने वाली, भक्तों का कल्याण करने वाली भगवती दुर्गा की स्तुति की थी। उस स्तुति को देवीसूक्तम का नाम दिया गया। देवीसूक्तम का श्रद्धा व विश्वास से पाठ करने पर अभीष्ट फल प्राप्त होता है।

सामाजिक महत्व

नवरात्रि केवल आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि जीवन में चुनौतियों के बावजूद सत्य और धर्म की जीत सुनिश्चित है। जिस तरह मां दुर्गा ने शुम्भ–निशुम्भ और महिषासुर जैसे दैत्यों का संहार किया, उसी प्रकार यह पर्व हमें अन्याय और आतंक के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। नवरात्रि की साधना जहां भीतर की नकारात्मकताओं को समाप्त करने का अवसर देती है, वहीं यह प्रेरणा भी मिलती है कि संघर्षों का समाधान केवल शक्ति और प्रतिशोध से नहीं, बल्कि संतुलन, न्याय और करुणा से संभव है।

विजयादशमी का संदेश

शारदीय नवरात्रि का समापन विजयादशमी पर होता है, जो असत्य पर सत्य की और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। यही कारण है कि रावण दहन का आयोजन किया जाता है और भगवान राम की लंका विजय का स्मरण होता है। 2025 की दशहरा तिथि केवल धार्मिक पर्व ही नहीं होगी, बल्कि यह विश्व राजनीति में भी न्याय और शांति की आवश्यकता की ओर ध्यान दिलाएगी। वर्ष 2025 की शारदीय नवरात्रि हमें यह सिखाती है कि चाहे वह व्यक्तिगत जीवन का संघर्ष हो या अंतरराष्ट्रीय राजनीति का विवाद, अंततः जीत सत्य, धर्म और मानवीय मूल्यों की होती है। जैसे मां दुर्गा के नौ स्वरूप भक्तों को आशीर्वाद देते हैं, वैसे ही शांति और न्याय के लिए उठाया गया प्रत्येक कदम मानवता को नई दिशा देता है। नवरात्रि का यह पर्व हमें आंतरिक शक्ति अर्जित करने का अवसर देता है और यह भी याद दिलाता है कि विजयादशमी केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर नहीं बल्कि वैश्विक शांति की भी प्रेरणा है।

नवरात्रि का उत्सव क्यों है आत्मा की शुद्धि का माध्यम?

क्या आप जानते हैं कि रात को रात्रि क्यों कहा जाता है? रा का अर्थ है जो शांति या विश्राम दे, और त्रि का अर्थ है तीन प्रकार की परेशानियों से शारीरिक, पर्यावरणीय और मानसिक।

शास्त्रों की बात, जानें धर्म के साथ

क्या आप जानते हैं कि रात को रात्रि क्यों कहा जाता है? रा का अर्थ है जो शांति या विश्राम दे, और त्रि का अर्थ है तीन प्रकार की परेशानियों से शारीरिक, पर्यावरणीय और मानसिक। जो इन तीन प्रकार की कठिनाइयों से राहत दिलाए, वही है रात्रि। रात सबको हर प्रकार की थकान और बोझ से मुक्त करती है। वह आपको अपनी गोद में लेकर सुला देती है। देखिए, कोई भी पशु–पक्षी रात में चिंता नहीं करता। सब सुख से सो जाते हैं। रात सभी को, चाहे वह प्रसन्न हो या अप्रसन्न, अपने में समा लेती है और दुख से मुक्ति देती है।

नवरात्रि का अर्थ है नई रात या नौ रातें दोनों ही शब्द ताजगी और नवीनता का प्रतीक हैं। जैसे शिशु नौ माह तक मां के गर्भ में विश्राम करता है, वैसे ही नवरात्रि के नौ दिनों में आप अपने स्रोत में लौटते हैं। इन दिनों में सांसारिक चिंताओं से मन हटाकर आत्मचिंतन करें – 'मैं कौन हूं?', 'यह संसार क्या है?' यह अनंत चेतना के सागर में डुबकी लगाने जैसा है। जब मन वासनाओं, द्वेष, असुरक्षा या भय में फंस जाता है, तो आप बेचैन, दुखी और अप्रभावी हो जाते हैं। नवरात्रि की इन नौ रातों में, आप अपने भीतर की उस शक्ति तक पहुंच सकते हैं, जो सबका मूल है। नौ रातों के अंत में, आप विजयी, रचनात्मक और आनंदमय होकर निकलते हैं।

यदि आप प्रकृति को देखें, तो वृक्ष तो सदा रहता है, पर उसका स्वरूप हर ऋतु में बदलता है। वसंत में वृक्ष फूलता–फलता है, ग्रीष्म में फल और फूल देता है, शरद में पत्तियां रंग बदलकर गिरती हैं और शीत ऋतु में वृक्ष भीतर सिमट जाता है। ठीक ऐसे ही, नवरात्रि में दैवी चेतना और आत्मा की अभिव्यक्ति है। दैवत्व सदा विद्यमान है, पर ये विशेष समय ऐसे होते हैं जब स्वयं काल भी दैवत्व का उत्सव मनाता है और उत्सव में हम क्या करते हैं? हम सब कुछ साफ करते हैं। उत्सव का अर्थ ही है उन तीन प्रकार की मलिनताओं को दूर करना, जो हमारे स्वाभाविक आनंद को ढक लेती हैं और हमारी सार्वभौमिक प्रकृति को पहचानने में बाधा डालती हैं। ये तीन परदे हैं कर्ममल, मायीयमल, और आनवमल।

कर्ममल : वासनाएं, द्वेष, पसंद–नापसंद जो हमारे असली स्वरूप को ढक लेते हैं।

मायीयमल : गलत पहचान, अर्थात जब आप स्वयं को वह मान लेते हैं जो आप वास्तव में नहीं हैं, और क्षणिक चीजों से जुड़ जाते हैं।

आनवमल : अनंत के अनुभव को थामे रखने में असमर्थताय आपको आनंद की झलक मिलती है, पर आप उस अवस्था में टिक नहीं पाते। इन मलिनताओं से मुक्ति ही उत्सव और आत्मा के उत्कर्ष का कारण है।

भक्ति में लीन रहें, क्योंकि दैवी चेतना आपको बिना शर्त के बेहद पसंद करती है। यह मत सोचिए कि केवल आप ही अनंत की तलाश में हैं, अनंत भी आपकी तलाश में है! प्राचीन लोग सभी देवी–देवताओं को कमल पर बिठाते थे। इसका अर्थ है, जब हमारी चेतना खिले हुए कमल जैसी सुंदर और कोमल हो जाती है, तब उसमें दैवत्व का वास होता है। हमारा मन ही सहस्त्रदल कमल है, और जब यह खिल जाता है, तो दैवत्व उसमें पहले से ही विद्यमान होता है। आपको बाहर कहीं ढूंढने की आवश्यकता नहीं है।

स्टील के बर्तन में न डालें ये फूड्स, वरना बन जाएगा जहर, स्वाद के साथ सेहत की भी होगी खराब

हमारे घरों में स्टील के बर्तन सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाते हैं। ये टिकाऊ होते हैं, आसानी से साफ हो जाते हैं और लंबे समय तक चलते भी हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ खाने–पीने की चीजें ऐसी भी होती हैं जिन्हें स्टील के बर्तनों में रखना सेहत के लिए बेहद हानिकारक हो सकता है? दरअसल, इन फूड्स में मौजूद तत्व स्टील के साथ रिएक्ट करके हानिकारक यौगिक बना सकते हैं। नतीजा यह होता है कि खाने का स्वाद खराब हो जाता है और सेहत पर बुरा असर पड़ता है। कई बार यह असर इतना खतरनाक हो सकता है कि फूड पॉइजनिंग और गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। आइए जानते हैं, किन 5 चीजों को कभी भी स्टील के बर्तनों में नहीं रखना चाहिए।

नमक और अचार

नमक और अचार को कभी भी स्टील के बर्तनों में स्टोर नहीं करना चाहिए। इसमें मौजूद एसिडिक तत्व और तेल स्टील के साथ जल्दी प्रतिक्रिया कर लेते हैं। लंबे समय तक इन्हें स्टील में रखने से बर्तन की परत घिसने लगती है और उसमें से निकलने वाले छोटे–छोटे कण खाने में मिल जाते हैं। यही वजह है कि अचार अक्सर कांच या सिरेमिक जार में ही स्टोर करने की सलाह दी जाती है। अगर गलती से आपने अचार स्टील में रख दिया, तो वह जल्दी खराब हो जाएगा और उसका स्वाद भी बिगड़ सकता है। नमक की नमी खींचकर स्टील को खराब कर देता है।

दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स

दूध, दही, पनीर और छाछ जैसी चीजों में लैक्टिक एसिड पाया जाता है। जब यह एसिड स्टील के संपर्क में आता है तो रासायनिक प्रतिक्रिया करता है। इसका असर सीधे दूध के स्वाद और क्वालिटी पर पड़ता है। लंबे समय तक दूध को स्टील में रखने से यह खट्टा हो सकता है और पेट खराब करने तक की नौबत आ सकती है। यही कारण है कि दूध को उबालने के लिए स्टील का बर्तन इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन स्टोर करने के लिए हमेशा कांच, मिट्टी या फूड–ग्रेड प्लास्टिक कंटेनर ही बेहतर होते हैं।

नींबू और टमाटर जैसी खट्टी चीजें

नींबू और टमाटर जैसे खट्टे फूड्स में साइट्रिक एसिड की मात्रा अधिक होती है। अगर इन्हें लंबे समय तक स्टील के बर्तनों में रखा जाए तो यह स्टील के साथ मिलकर जहरीले तत्व बना सकते हैं। नतीजतन, खाना कड़वा और कसैला हो जाता है और शरीर में एसिडिटी बढ़ जाती है। टमाटर की ग्रेवी या नींबू का रस स्टील में रखने पर ना केवल स्वाद बिगड़ता है बल्कि पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे गैस, जलन और अपच भी हो सकती हैं।

जूस और हेल्दी ड्रिंक्स

ताजा निकाला हुआ जूस अगर स्टील में रखा जाए तो उसका पोषण कम हो जाता है। खासतौर पर संतरे, मौसमी, अनार या नींबू जैसे जूस में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। ये स्टील के संपर्क में आकर धीरे–धीरे नष्ट हो जाते हैं। यही कारण है कि ज्यूस को हमेशा कांच की बोतल, सिरेमिक या मिट्टी के बर्तनों में ही स्टोर करना चाहिए। अगर आप हेल्दी ड्रिंक्स जैसे ग्रीन टी या हर्बल जूस स्टील में रखते हैं, तो उनका असर काफी हद तक कम हो जाता है।

हल्दी वाला दूध और हर्बल ड्रिंक्स

हल्दी वाला दूध सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है, लेकिन अगर आप इसे स्टील के गिलास में रखते हैं तो इसके गुण खत्म हो सकते हैं। दरअसल, हल्दी में मौजूद करक्यूमिन स्टील के संपर्क में आकर अपनी क्षमता खो देता है। यही वजह है कि दादी–नानी हमेशा हल्दी वाला दूध पीतल या कांसे के गिलास में पीने की सलाह देती थीं। इसी तरह हर्बल ड्रिंक्स और काढ़ा भी स्टील के बर्तनों में रखने से अपना असर खो सकते हैं।

हर बर्तन हर फूड के लिए सही नहीं होता। स्टील के बर्तन जरूर मजबूत और टिकाऊ होते हैं, लेकिन हर चीज इसमें रखना सुरक्षित नहीं है। अगर आप अपनी सेहत को सुरक्षित रखना चाहते हैं तो नमक, अचार, दूध, दही, नींबू, टमाटर, जूस और हल्दी वाले दूध जैसी चीजों को कभी भी स्टील के बर्तनों में न रखें। इन चीजों को स्टोर करने के लिए हमेशा कांच, सिरेमिक, मिट्टी या फूड–ग्रेड प्लास्टिक कंटेनर का इस्तेमाल करना ही सही है।

पेरिमेनोपॉज में क्यों बेकाबू होती है क्रेविंग, महिलाएं इस तरह करें इसे कंट्रोल

जैसे–जैसे महिलाएं 40 की उम्र के आगे जाने लगती हैं, वैसे–वैसे उनके शरीर में भी बदलाव शुरू हो जाते हैं। उम्र के इस पड़ाव पर महिलाएं मेनोपॉज की तरफ बढ़ने लगती हैं।ॅभ्व् के मुताबिक महिलाओं में 45 से 55 साल की उम्र मेनोपॉज की होती है। वहीं मेनोपॉज से पहले के पड़ाव को पेरिमेनोपॉज कहा जाता है। कई मामलों में पेरिमेनोपॉज 4 से 8 साल तक चलता है। इस दौरान महिलाओं के हार्मोनल बदलाव काफी तेज हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में चिड़चिड़ापन, वजाइना में सूखापन, थकान, हॉट फ्लैशेस और सोने में दिक्कत आदि की समस्या होने लगती है। कई महिलाओं को पेरिमेनोपॉज के इस पड़ाव में बहुत ज्यादा क्रेविंग भी होने लगती है। कई बार एक ही चीज बार–बार खाने की इच्छा होने लगती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि महिलाओं में इस तरह के लक्षण क्यों होते हैं और इसको कैसे मैनेज किया जा सकता है।

हार्मोनल असंतुलन

पेरिमेनोपॉज में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन का लेवल कम और ज्यादा होता रहता है। अगर एस्ट्रोजन में कमी आने लगती है, तो सेरोटोनिन का लेवल गिर जाता है। इससे मीठा खाने की क्रेविंग और मूड स्विंग्स होता है।

स्ट्रेस

इस दौर में महिलाओं को चिंता, बहुत ज्यादा चिड़चिड़ापन और डिप्रेशन देखने को मिलता है। इससे बचने के लिए महिलाएं मिठाई, चॉकलेट या तली भुनी चीजों को खाना पसंद करती हैं। इन फूड्स से महिलाओं को बहुत आराम मिलता है।

नींद में कमी

पेरिमेनोपॉज में नींद न आना और हॉट फ्लैशेज होना बहुत आम बात है। जब महिलाओं की नींद नहीं पूरी होती है, तो उनमें घ्रलिन हार्मोन बढ़ने लगता है। यह हार्मोन भूख बढ़ाने का काम करता है और उसके उलट लेप्टिन हार्मोन कम होने लगता है। बता दें कि लेप्टिन हार्मोन पेट भरे होने का संकेत देता है और जब यह हार्मोन कम होने लगता है, तो महिलाओं की क्रेविंग बढ़ जाती है।

एनर्जी में कमी होना

इस दौर में महिलाओं का मेटाबॉलिज्म कम होने लगता है। जिस कारण महिलाओं को एनर्जी की कमी महसूस होती है। ऐसे में एनर्जी बढ़ाने के लिए दिमाग कार्बोहाइड्रेट और शुगर खाने की तलब होने लगती है। इस कारण महिलाएं खाने के लेकर क्रेविंग महसूस करने लगती हैं।

मेनोपॉज के शुरुआती संकेत

मूड स्विंग्स

नींद की समस्या

थकान और ध्यान न लगना

पीरियड्स का अनियमित होना

हॉट फ्लैशेज और नाइट स्वेट्स

ऐसे कंट्रोल करें क्रेविंग

हेल्दी डाइट

महिलाओं को अपनी डाइट में फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट्स जरूर शामिल करना चाहिए। इसके अलावा फल, सब्जियां, दाल, नट्स, साबुत अनाज और बीज आदि शामिल करें। इससे आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है और क्रेविंग भी कम होती है।

मीठा और जंक फूड

आमतौर पर महिलाएं जंक फूड या मीठा खाना बंद कर देती हैं। इसको वह कुछ समय तक ही लिमिट कर पाती हैं और फिर से यह खाना शुरू कर देती हैं। इसलिए महिलाओं को धीरे–धीरे मीठा और तला–भुना खाना कम कर देना चाहिए। इसकी जगह पर आप हेल्दी स्नैक्स जैसे गुड़, डार्क चॉकलेट, खजूर या भुने चने खा सकती हैं। इस दौरान ध्यान रखें कि आप हेल्दी स्नैक्स भी लिमिट में ही लें।

डिकॉक ने वनडे से संन्यास के फैसले पर लिया यू-टर्न, पाकिस्तान दौरे के लिए टीम में शामिल

नई दिल्ली। क्विंटन डिकॉक ने वनडे से संन्यास के फैसले पर यू–टर्न लिया है और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में जगह मिली है। डिकॉक ने वनडे विश्व कप 2023 के बाद इस प्रारूप को अलविदा कह दिया था। उन्होंने उस वैश्विक टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था और 594 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका का सफर हालांकि, सेमीफाइनल में थम गया था।

विश्व कप के फाइनल में खेला आखिरी टी20

विकेटकीपर बल्लेबाज डिकॉक 2024 टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम का हिस्सा थे और इसके बाद से उन्होंने फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर ध्यान देना शुरु किया था। डिकॉक ने अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच दक्षिण अफ्रीका के लिए भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के फाइनल में खेला था। डिकॉक की वापसी के बारे में बात करते हुए दक्षिण अफ्रीका के कोच शुकरी कॉनराड ने कहा कि यह टीम के लिए एक बड़ा बूस्ट है और उन्होंने उनके साथ सफेद गेंद के करियर के बारे में चर्चा की है।

कॉनराड ने कहा, डिकॉक की सफेद गेंद वाली टीम में वापसी हमारे लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। जब हमने पिछले महीने उनके भविष्य के बारे में बात की थी तो यह स्पष्ट था कि उनमें अभी भी अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की प्रबल महत्वाकांक्षा है। हर कोई जानता है कि वह टीम में क्या गुणवत्ता लेकर आते हैं और उनकी वापसी से टीम को ही फायदा होगा।

पाकिस्तान दौरे पर नहीं जाएंगे बावुमा

यह फैसला डिकॉक के करियर को लेकर अनिश्चितता के दौर के बाद हुआ है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कभी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास नहीं लिया, लेकिन वह पूर्व कोच रॉब वाल्टर की योजनाओं का हिस्सा नहीं थे। दक्षिण अफ्रीका को इस दौरे पर टेम्बा बावुमा की सेवाएं नहीं मिलेंगी क्योंकि वह इंग्लैंड दौरे के दौरान लगी पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। एडेन मार्करम भी सीमित ओवरों की टीम में नहीं हैं जिसका मतलब है कि डेविड मिलर टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम की कमान संभालेंगे और मैथ्यू ब्रीट्जके वनडे टीम के कप्तान होंगे। दक्षिण अफ्रीका की टीम पाकिस्तान दौरे पर दो टेस्ट, तीन टी20 और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी।

पाकिस्तान दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका की टी20 टीमः डेविड मिलर (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्जे, क्विंटन डिकॉक, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी, नकाबा पीटर, लुआन–डॉ प्रिटोरियस, एंडिले सिमलेन, लिजाड विलियम्स।

दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीमः मैथ्यू ब्रीट्जके (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्जे, क्विंटन डिकॉक, टोनी डी जोरजी, डोनोवन फरेरा, ब्योर्न फोर्टुइन, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी, नकाबा पीटर, लुआन–डॉ प्रिटोरियस।

दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीमः एडेन मार्करम (कप्तान), डेविड बेडिंघम, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, जुबैर हमजा, साइमन हार्मर, मार्को यानसेन, केशव महाराज (दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध), वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, कैगिसो रबाडा, रेयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स, प्रेनेलन सुब्रायन, काइल वेरिने।

10 ओवर के बाद बल्लेबाजी करना आसान नहीं था

भारत से हार के बाद सलमान आगा ने गेंद पर फोड़ा ठीकरा

दुबई। पाकिस्तान को एशिया कप के मुकाबले में एक बार फिर भारत से हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने इसका ठीकरा गेंद पर फोड़ा। सलमान का कहना है कि पहले 10 ओवर के बाद बल्लेबाजी करना आसान नहीं था क्योंकि इसके बाद गेंद नरम हो गई थी जिससे बल्लेबाजी करने में दिक्कत हो रही थी। इस मैच में टॉस जीतकर भारत ने पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया था।

भारत ने छह विकेट से जीता मैच

पाकिस्तान ने साहिबजादा फरहान के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 171 रन बनाए। जवाब में अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने भारत को दमदार शुरुआत दिलाई और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी हुई। भारत ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 174 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। भारत ने ग्रुप चरण के बाद सुपर चार में भी पाकिस्तान को धूल चटाई और इस मैच को छह विकेट से अपने नाम किया।

भारत से मिली हार के बाद सलमान ने स्वीकार किया कि उनकी टीम भारत के खिलाफ एशिया कप के सुपर चार चरण के मुकाबले में उन्नीस साबित हुई। पाकिस्तान ने हालांकि, अच्छी शुरुआत की थी और पहले 10 ओवर में 91 रन बना लिए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने अगले 10 ओवर में 80 रन ही बनाए। शिवम दुबे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन ओवर में 16 रन देकर दो विकेट लिए।

सलमान बोले– तीनों विभाग में अच्छे प्रदर्शन की जरूरत

सलमान ने कहा, बल्लेबाजी में हमने बेहतर प्रदर्शन किया जो अच्छी बात है। हमने जिस तरह से शुरुआत की थी, हमें 15 रन और बनाने चाहिए थे लेकिन पहले 10 ओवर के बाद गेंद नरम हो गई और बल्लेबाजी करना आसान नहीं रहा। हमने पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी नहीं की और इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। आपको परफेक्ट मैच खेलना होता है और जीत के लिए तीनों विभाग में अच्छे प्रदर्शन की जरूरत है। हम अच्छा क्षेत्ररक्षण या गेंदबाजी नहीं कर सके। पाकिस्तानी कप्तान ने अपनी टीम से भारत के खिलाफ मैच को भुलाकर श्रीलंका के खिलाफ अगले मैच पर फोकस करने के लिए कहा। उन्होंने कहा, हमें इस मैच को भूलना होगा क्योंकि मंगलवार को फिर एक मैच खेलना है। हमें इसमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

संक्षिप्त

रिजर्व बैंक ने दत्ता फाइनेंस एंड ट्रेडिंग का पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द किया

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने अनियमित ऋण देने की गतिविधियों के कारण नयी दिल्ली स्थित दत्ता फाइनेंस एंड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड का पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने सोमवार को बयान में कहा कि गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनी ने अपने डिजिटल ऋण संचालन में वित्तीय सेवाओं की आउटसोर्सिंग में आचार संहिता के दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया है। इस कारण पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिया गया है। कंपनी ने ग्राहकों की सोर्सिंग, उनकी उचित जांच–पड़ताल, कर्ज का वितरण, कर्ज अदायगी, दिए गए कर्ज की वसूली और साथ ही केवाईसी (अपने ग्राहक को जानों) सत्यापन जैसी प्रमुख सेवाओं को आउटसोर्स करके मानदंडों का उल्लंघन किया है। किन कैश ऐप और 'दोलोन ऐप' (जेस्ट टॉप वन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लि.) और जेस्ट कैश ऐप (कंपनी का ऐप) सेवा प्रदाता हैं। आरबीआई ने कहा कि पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द होने के बाद, कंपनी अब किसी तरह का गैर–बैंकिंग वित्तीय संस्थान (एनबीएफआई) का कामकाज नहीं कर पाएगी।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एच–1बी वीजा शुल्क को प्रति कर्मचारी 1,00,000 डॉलर करने के फैसले को लेकर चिंताओं के बीच आईटी कंपनियों के शेयर में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 475.16 अंक की गिरावट के साथ 82,151.07 अंक पर और एनएसई निफ्टी 88.95 अंक फिसलकर 25,238.10 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचसीएल टेक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर 3.88 से 2.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। सन फार्मा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एक्सिस बैंक और टाटा स्टील के शेयर भी नुकसान में रहे। हालांकि अदाणी पोर्ट्स, इटर्नल, ट्रेंट और बजाज फाइनेंस के शेयर बढ़त में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225 और चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट फायदे में रहे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 67.12 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 390.74 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे टूटकर 88.21 प्रति डश्लर पर

रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ पांच पैसे टूटकर 88.21 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.20 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद फिसलकर 88.21 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को चार पैसे की बढ़त के साथ 88.16 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं

के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.77 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 475.16 अंक की गिरावट के साथ 82,151.07 अंक पर और निफ्टी 88.95 अंक फिसलकर 25,238.10 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 67.12 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 390.74 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

गोवा नए जीएसटी सुधारों के जरिये एमएसएमई को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध : सावंत

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों का स्वागत किया और कहा कि यह पहल आत्मनिर्भर भारत 2.0 की दिशा में देश की यात्रा को और मजबूत करेगी। सावंत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यों से सूक्ष्म, लघु एवं मझाले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने, निवेश को आकर्षित करने के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और 'वोकल फॉर लोकल, थिंक ग्लोबल' के दृष्टिकोण के साथ विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, '' गोवा इस अभियान के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है... बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण, प्रक्रियाओं को सरल बनाना एवं हमारे उद्यमियों को सशक्त बनाना ताकि स्वदेशी उत्पाद भारत और दुनिया भर में गर्व से अपनी पहचान बना सकें।'' प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को कहा था कि सोमवार से लागू होने वाले जीएसटी सुधार देश की वृद्धि दर को और बढ़ाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए एक बड़ा एवं महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिलने से देश में समृद्धि बढ़ेगी।

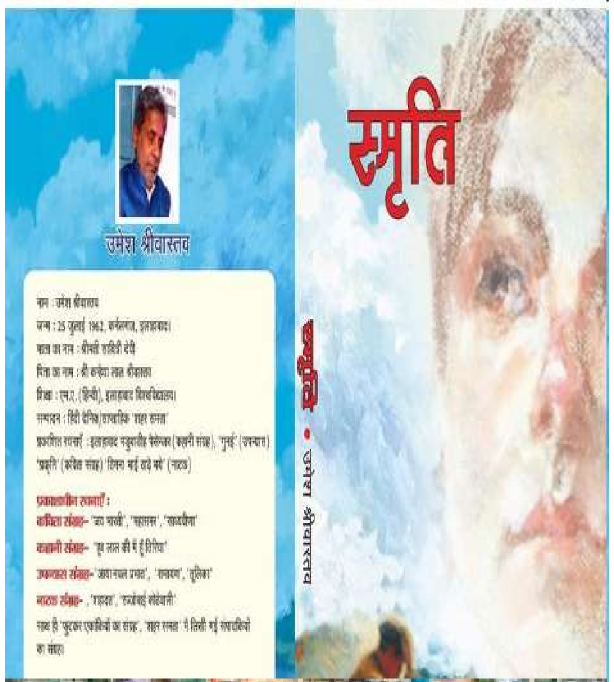

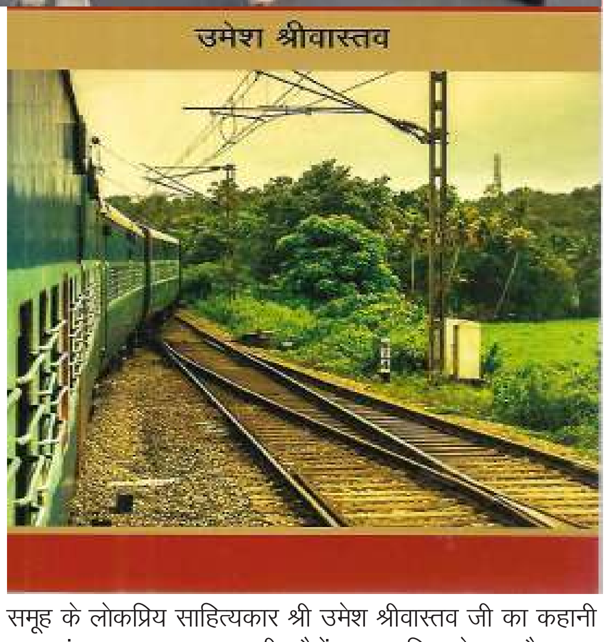

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

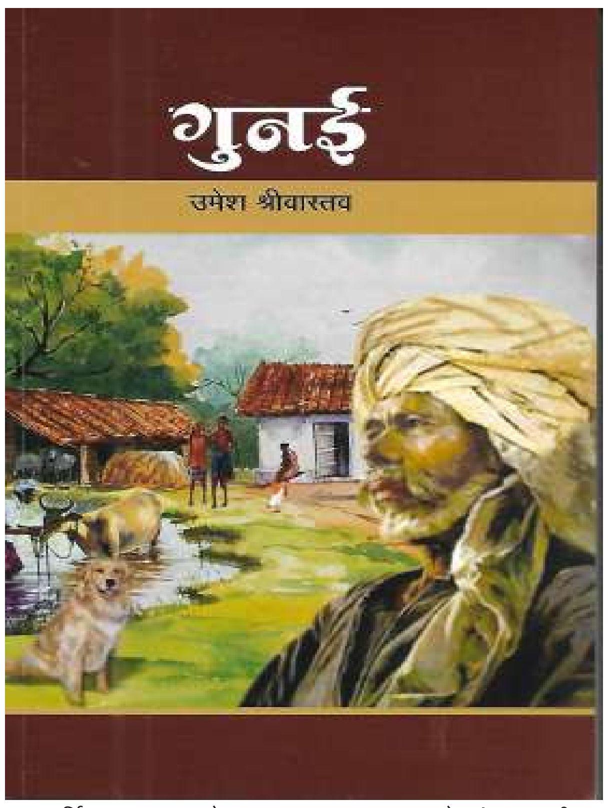

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

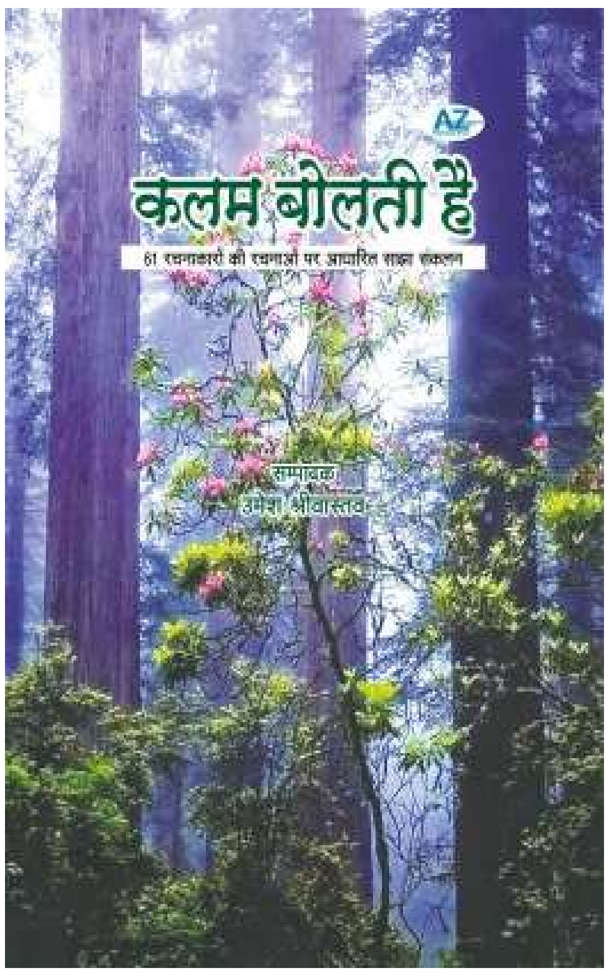

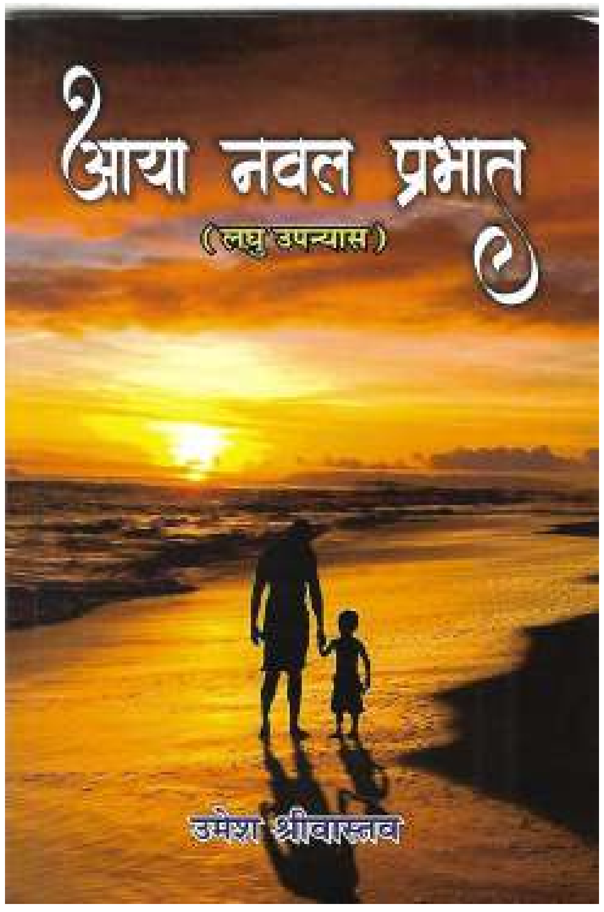

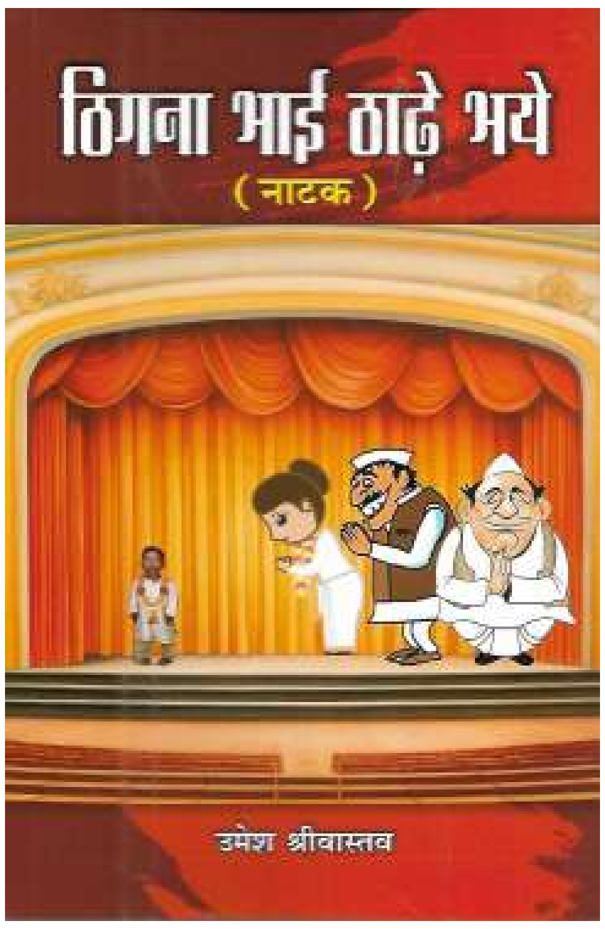

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

जयशंकर ने फिलीपीन की विदेश मंत्री टेस लाजारो से मुलाकात की

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां फिलीपीन की विदेश मंत्री टेस लाजारो से मुलाकात की और संयुक्त राष्ट्र तथा हिंद–प्रशांत क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की उच्चस्तरीय बैठक के लिए रविवार को न्यूयॉर्क पहुंचे जयशंकर ने कहा कि वह यूएनजीए के दौरान लाजारो से मिलकर प्रसन्न हैं। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर कहा, हमने फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस की हालिया भारत यात्रा

पर चर्चा की। संयुक्त राष्ट्र और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में हमारे सहयोग पर भी चर्चा की। लाजारो ने कहा कि जयशंकर के साथ उनकी चर्चा राजनीतिक, रक्षा और सुरक्षा, समुद्री समेत अन्य क्षेत्र में सक्रिय रूप से सहयोग विकसित करने के लिए रणनीतिक साझेदार के रूप में हमारे दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस ने पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ रक्षा, व्यापार और निवेश, कृषि, पर्यटन और दवा उद्योग में सहयोग बढ़ाने को लेकर बातचीत के लिए भारत का दौरा किया था।

जयशंकर न्यूयॉर्क में अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो से करेंगे मुलाकात

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के उच्च स्तरीय 80वें सत्र की शुरुआत के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर सोमवार को अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात करेंगे और द्विपक्षीय बैठक करेंगे। रूस से तेल की खरीद को लेकर अमेरिका द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने के बाद, रुबियो और जयशंकर की यह पहली आमने–सामने की मुलाकात होगी। रविवार को अमेरिका के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी दैनिक कार्यक्रम के अनुसार, रुबियो सोमवार सुबह न्यूयॉर्क में जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। दोनों इससे पहले जुलाई में वाशिंगटन में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान मिले थे। यह द्विपक्षीय बैठक ऐसे दिन हो रही है, जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने को लेकर भी बातचीत होने वाली है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को न्यूयॉर्क में अमेरिकी पक्ष से मुलाकात करेगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर शीघ्र निष्कर्ष निकालने के लिए चर्चा को आगे बढ़ाना है।" विदेश मंत्री जयशंकर संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र में भाग लेने के लिए रविवार को न्यूयॉर्क पहुंचे थे।

दक्षिणी लेबनान में इजराइल के ड्रोन हमले में तीन बच्चों समेत पांच लोगों की मौत

दक्षिणी लेबनान में रविवार को इजराइल के ड्रोन हमले में तीन बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। लेबनानी संसद के अध्यक्ष नबीह बेरी ने कहा कि मारे गए लोगों में से चार, जिनमें तीन बच्चे और उनके पिता शामिल हैं, अमेरिकी नागरिक थे। उन्होंने बताया कि हमले में दो अन्य लोग घायल हो गए। बेरूत स्थित अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों से टिप्पणी के लिए तत्काल संपर्क नहीं हो सका। नवंबर में उग्रवादी संगठन हिज्बुल्ला के साथ इजराइल की महीनों से जारी लड़ाई को समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों के संघर्ष–विराम समझौते पर पहुंचने के बावजूद इजराइल लगभग रोजाना दक्षिणी और पूर्वी लेबनान पर हमले करता रहा है। अमेरिकी मध्यस्थता वाले संघर्ष–विराम समझौते के तहत, हिज्बुल्ला और इजराइल दोनों को दक्षिणी लेबनान से अपनी सेनाएं वापस बुलानी थीं और एक–दूसरे के खिलाफ हमले रोकने थे।

ट्रंप के H1B वीजा का चीन ने निकाला तोड़, जिनपिंग लेकर आए इ टपें प्लान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच–1बी वीज़ा की फीस बढ़ाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के साथ ही, चीन भी इसकी काट को निकालने के प्रयास तेज कर दिए हैं। ड्रैगन की तरफ से एक नई श्के वीज़ाश श्रेणी शुरू की है,

जो 1 अक्टूबर से प्रभावी होगी। इसके ज़रिए चीनी सरकार का लक्ष्य प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्रों में विदेशी प्रतिभाओं को आकर्षित करना है। चीन ने अगस्त में श्के वीज़ाश श्रेणी को मंज़ूरी दी थी। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, उस समय चीनी सरकार ने कहा था कि चीन के विकास के लिए दुनिया भर की प्रतिभाओं की भागीदारी ज़रूरी है, और चीन का विकास उन्हें अवसर भी प्रदान करता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

अमेरिका पर भारत का सबसे तगड़ा हमला, तेजस में अब लगेगा फ्रांस का इंजन?

डोनाल्ड ट्रंप बार बार कहते हैं कि आई हैव गॉट ऑल द कार्ड्स यानी सारे पत्ते मेरे पास हैं। लेकिन अब दुनिया भी देख रही है कि भारत ने भी अपना असली ट्रंप कार्ड खेल दिया है। खबर ये है कि भारत फ्रांस की साफरन कंपनी के उस ऑफर पर गंभीरता से विचार करना शुरू कर दिया है, जिसमें वो तेजस मार्क 2 फाइटर जेट के लिए पूरी तरह मेड इन इंडिया इंजन बनाने की पेशकश कर रहे हैं। यानी की अब अमेरिकी जीईएफ इंजन के कॉन्ट्रैक्ट पर सबसे बड़ा खतरा मंडराने लगा है। यही वो चाल है जिसने अमेरिका को सकते में डाल दिया है और फ्रांस को गुपचुप तरीके से बड़ी वापसी का मौका दे दिया है। आपको बता दें कि फ्रेंच एयरोस्पेस जाइंट

साफरन ने भारत सरकार और हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को ऑफर दिया है कि तेजस मार्क 2 के लिए वे एक बिल्कुल नया इंजन बनाएंगे। जिसकी पूरी मैन्युफैक्चरिंग इंडिया में होगी। सिर्फ इतना ही नहीं साफरन ने साफ कहा कि वे टेक्नोलॉजी ट्रांसफर भी देंगे। यानी इंजन की पूरी कोर टेक्नोलॉजी भारत को मिल सकती है। वो टेक्नोलॉजी जिसे अमेरिका आज तक किसी को आसानी से नहीं दे सकता है। आपको बता दें कि साफरान पहले से ही भारत के साथ काम कर रहा है। डीआरडीओ–जीटीआरई के साथ मिलकर 120 केएन का अगली पीढ़ी का इंजन विकसित करने का प्रोजेक्ट चल रहा है। मीडिया रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि यह 80: प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ GE F414 इंजनों के सह–उत्पादन के लिए 2023 में हस्ताक्षरित मौजूदा समझौता ज्ञापन को रद्द करने का संकेत नहीं है, हालांकि सितंबर 2025 तक वाणिज्यिक वार्ताएँ जारी हैं, और 99 इंजनों के लिए अभी तक कोई अंतिम हस्ताक्षरित सौदा या निर्दिष्ट मूल्य की पुष्टि नहीं हुई है। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि व्यापक भारत–अमेरिका व्यापार वार्ता के संदर्भ में सफ्रान के प्रस्ताव की समीक्षा की जा रही है। अमेरिकी निर्यात नियंत्रण और प्रमाणन संबंधी मुद्दों से तनाव पैदा हो गया है, जिसका असर भारतीय वायु सेना (ᐤ।थ्) में तेजस डा–1। जेट विमानों के समय पर शामिल होने पर पड़ रहा है। लड़ाकू स्क्वाड्रनों की कमी से जूझ रही भारतीय वायुसेना का लक्ष्य एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपये के अनुबंध के तहत 83 तेजस एमके–1ए विमान शामिल करना है। सफल हथियार परीक्षणों के आधार पर, पहले दो उन्नत एमके–1ए जेट अगले महीने आने की उम्मीद है। इस बीच, सफ्रान की पहल भारत में अपनी मौजूदा उपस्थिति को और मज़बूत करेगी, जिसमें 2026 तक हैदराबाद में राफेल इंजनों के लिए एक एमआरओ सुविधा स्थापित करने की योजना भी शामिल है, जिससे 150 नौकरियाँ पैदा होंगी। यह भारत के सह–विकास के प्रयासों के अनुरूप है, जैसा कि शक्ति हेलीकॉप्टर इंजन जैसे पिछले सहयोगों में देखा गया है।

इस्लामिक वर्ल्ड का नेता बनना चाहता है पाकिस्तान, मुस्लिम नेताओं को साथ लेकर ट्रंप से मिलेंगे शहबाज शरीफ

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की 80वीं वार्षिक बैठक के इतर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कुछ चुनिंदा मुस्लिम नेताओं के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात करेंगे। यह कोई सामान्य मुलाकात नहीं बल्कि एक गहरा कूटनीतिक अभियान है। दरअसल, यह उस दिशा की ओर संकेत है, जहाँ पाकिस्तान खुद को केवल दक्षिण एशियाई राजनीति तक सीमित नहीं रखकर व्यापक इस्लामी दुनिया का प्रतिनिधि बताना चाहता है। सवाल यह है कि क्या शहबाज शरीफ वास्तव में पाकिस्तान को मुस्लिम देशों का अगुआ सिद्ध करना चाहते हैं, या यह महज़ अमेरिकी शक्ति के करीब पहुँचने की एक रणनीति है? देखा जाये तो पाकिस्तान की स्थापना से लेकर आज तक उसका एक बुनियादी सपना रहा हैरू इस्लामी देशों की राजनीति में अग्रणी भूमिका निभाना। शहबाज शरीफ का मुस्लिम नेताओं के साथ ट्रंप से मिलना उसी आकांक्षा का विस्तार है। खासकर ऐसे समय में जब गाज़ा संकट ने वैश्विक स्तर पर मुस्लिम नेतृत्व की परीक्षा ले रखी है, तब शहबाज शरीफ यदि अमेरिकी राष्ट्रपति

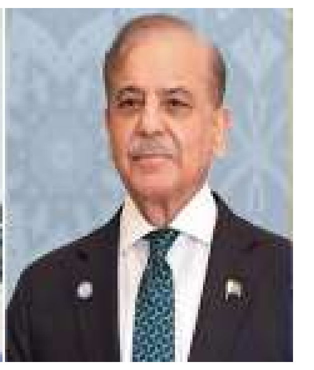

के सामने इस मुद्दे को प्रमुखता देते हैं, तो यह उन्हें मुस्लिम जनमानस में ष्आवाज़ उठाने वाला नेताष् साबित करने में मदद कर सकता है। यह पाकिस्तान के लिए एक प्रतीकात्मक पूँजी होगी, जिसे वह इस्लामी देशों में अपनी साख बनाने के लिए भुनाना चाहेगा। दूसरी ओर, इस समय भारत और अमेरिका के रिश्ते तनावपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। रूस से तेल खरीद पर अमेरिकी दबाव, उस पर लगाई गई पैनल्टी, भारतीय आईटी प्रतिभाओं के लिए महंगे होते एच–1बी वीज़ा शुल्क और व्यापारिक शुल्कों में वृद्धि ने दोनों देशों के बीच दूरी पैदा की है। ऐसे परिदृश्य में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का अमेरिकी राष्ट्रपति से घनिष्ठ संवाद स्थापित करना यह संदेश देता है कि वाशिंगटन नई दिल्ली की तुलना में इस्लामाबाद के प्रति अधिक लचीला है। यह भारत के लिए एक राजनयिक चिंता भी है, क्योंकि इससे पाकिस्तान को अमेरिकी राजनीतिक और आर्थिक सहयोग का द्वार खुला मिल सकता है। हम आपको यह भी बता दें कि जहाँ एक ओर पाकिस्तान अमेरिका के साथ नज़दीकी बढ़ाकर अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने की कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वह चीन से अपने रिश्तों को भी सहेजने में लगा है। शहबाज शरीफ ने हाल ही में सीपीईसी (चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा) 2.0 की परियोजनाओं को लेकर स्पष्ट संदेश दिया कि इस बार किसी भी तरह की देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने अपने मंत्रालयों को सख्त चेतावनी दी कि चीन से हुए समझौतों को वास्तविक निवेश और संयुक्त उद्यम अनुबंधों में तब्दील करना ही होगा। देखा जाये तो पाकिस्तान की दोहरी रणनीति स्पष्ट हैरू अमेरिका से राजनीतिक और रणनीतिक समर्थन लेना, जबकि आर्थिक विकास के लिए चीन की पूँजी और विशेषज्ञता पर निर्भर रहना। पाकिस्तान जानता है कि अमेरिकी समर्थन उसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के मुकाबले संतुलन दे सकता है, वहीं चीन उसके अवसंरचनात्मक विकास का असली इंजन है। शहबाज शरीफ का ष्सीपीईसी 2.0 में देरी न होनेष् का संदेश चीन को आश्वस्त करने के लिए है कि अमेरिका की ओर झुकाव का मतलब बीजिंग से दूरी नहीं है। भारत के लिए यह संकेत है कि पड़ोसी देश केवल सैन्य या वैचारिक प्रतिद्वंद्वी नहीं है बल्कि कूटनीतिक स्तर पर भी वह चुनौती पेश कर रहा है। बहरहाल, भविष्य में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या पाकिस्तान सचमुच मुस्लिम नेतृत्व का केंद्र बन पाता है, या फिर यह केवल वाशिंगटन और बीजिंग के बीच झूलती उसकी विदेशी नीति की एक और कोशिश साबित होगी।

अपने ही देश पर पाकिस्तान की फौज ने कर दी एयरस्ट्राइक, बच्चे–महिला समेत 30 नागरिकों की ले ली जान

खैबर पख्तूनख्वा की तिराह घाटी में पाकिस्तानी सेना द्वारा टीटीपी ठिकानों को निशाना बनाए जाने के बाद कम से कम 30 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर आम नागरिक थे। हालांकि, रिपोर्टों के अनुसार, मृतकों में ज़्यादातर आम नागरिक थे। बचाव अभियान अभी भी जारी है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में घायल

बच्चों को अस्थायी बिस्तरों पर लेटे हुए दिखाया गया है, जबकि आसपास के स्थानीय लोग नुकसान का आकलन कर रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, हताहतों में महिलाएँ और बच्चे भी शामिल हैं। खैबर दर्रे और खानकी घाटी के बीच स्थित, तिराह पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान की सीमा पर स्थित है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, वायु सेना क्षेत्र में तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के ठिकानों को निशाना बना रही थी। सभी पीड़ित नागरिक थे। हाल के दिनों में, खैबर पख्तूनख्वा में अफ़ग़ानिस्तान की सीमा से लगे पहाड़ी प्रांत में छिपे आतंकवादियों के खिलाफ कई सैन्य कार्रवाई हुई है। सेना ने घोषणा की कि डेरा इस्माइल खान जिले में एक खुफिया–आधारित अभियान के दौरान सात टीटीपी आतंकवादी मारे गए। सेना की मीडिया शाखा, इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि सात पीड़ितों में से तीन अफ़ग़ान नागरिक और दो आत्मघाती हमलावर थे। 13–14 सितंबर को खैबर पख्तूनख्वा में दो अलग–अलग मुठभेड़ों में कम से कम 31 टीटीपी आतंकवादी मारे गए। हाल ही में पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है, मुख्यतः अफ़ग़ानिस्तान की सीमा से लगे प्रांतों में। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पिछले सप्ताह कहा था कि अफगानिस्तान को आतंकवादियों का साथ देने या पाकिस्तान के साथ खड़े होने के बीच चुनाव करना होगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

सार्वजनिक विवाद के बाद ट्रंप–मस्क की मुलाकात, क्या अमेरिकी राजनीति में बदलेंगे समीकरण?

अपने सार्वजनिक विवाद के महीनों बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके पूर्व श्पहले दोस्तश एलन मस्क रविवार को दक्षिणपंथी नेता चार्ली किर्क की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में फिर से मिले। ट्रंप अपने करीबी भरोसेमंद अरबपति सलाहकार रहे एलन मस्क के साथ एरिज़ोना के ग्लेनडेल स्थित एक स्टेडियम के स्टैंड में बैठे देखे गए, जहाँ हज़ारों लोग किर्क को श्रद्धांजलि देने

के लिए इकट्ठा हुए थे, जिनकी 10 सितंबर को यूटा के एक विश्वविद्यालय परिसर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस कार्यक्रम के वीडियो में दोनों के बीच दोस्ताना अंदाज़ में बातचीत दिखाई दे रही है। यह कार्यक्रम ट्रंप और मस्क के बीच पहली सार्वजनिक मुलाकात थी, जब से टेस्ला के सीईओ ने जिन्होंने कभी टीम ट्रंप के तथाकथित सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व किया था ने तनावपूर्ण परिस्थितियों में एक विशेष सरकारी कर्मचारी के पद से इस्तीफा दे दिया था। अपने सार्वजनिक विवाद के बाद से, एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप सार्वजनिक रूप से एक साथ नहीं देखे गए हैं। ट्रंप के ष्पहले दोस्तष् होने से लेकर श्बिग ब्यूटीफुल बिलश को लेकर ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों से मतभेद तक, मस्क और ट्रंप के रिश्ते में एक लंबा सफर तय किया है। अपने मतभेदों के बावजूद, एरिज़ोना में चार्ली किर्क के अंतिम संस्कार के दौरान एक पल ने संकेत दिया कि मस्क और ट्रंप के बीच सब कुछ ठीक है। इस कार्यक्रम का आधिकारिक प्रसारण एरिज़ोना के ग्लेनडेल में चार्ली किर्क के अंतिम संस्कार में ट्रंप और एलन मस्क, मस्क के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बैठे और बातचीत करते हुए दिखाई दिए। गौरतलब है कि स्टेट पार्क में एलन मस्क और ट्रंप के बीच यह ष्मर्मजोशी भरीष् मुलाकात ऐसे समय में हुई जब ट्रंप ने हाल ही में एच–1बी वीजा पर एकमुश्त 100,000 डॉलर का शुल्क लगाने का फैसला किया है। मस्क, जो एच–1बी वीजा के मुखर समर्थक रहे हैं, क्योंकि उनकी कंपनियों में एच–1बी वीजा पर बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यरत हैं, ट्रंप के इस फैसले पर चुप रहे हैं। हालांकि ऐसी अटकलें थीं कि मस्क ट्रंप के आदेश के खिलाफ बोलेंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। इसके बजाय, ट्रंप अपने पूर्व फर्स्ट बडी के साथ गर्मजोशी से बातचीत करते दिखे, जब वे चार्ली किर्क को उनके स्मारक पर याद कर रहे थे। राष्ट्रपति के बिग ब्यूटीफुल बिल खर्च योजना को लेकर हुए टकराव के बाद ट्रंप और मस्क के बीच संभावित सुलह एक बड़ा राजनीतिक मोड़ हो सकता है। व्हाइट हाउस ने मस्क की आलोचना को कमतर आँका और प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इसे एक ष्दुर्भाग्यपूर्ण घटनाष् बताया।

सैन फ्रांसिस्को में 4.3 तीव्रता का भूकंप, लोगों ने महसूस किए झटके

सैन फ्रांसिस्को क्षेत्र में सोमवार को 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप बर्कले के ठीक पूर्व–दक्षिण–पूर्व में आया। यह पूर्वी मानक समयानुसार सुबह 3 बजे से कुछ पहले आया। कई लोगों ने बताया कि उन्हें तेज झटका महसूस हुआ और फोन पर अलर्ट बजने लगे।

सिंगापुरः महिला से छेड़छाड़ के मामले में भारतीय नागरिक को चार साल जेल

सिंगापुर में एक 46 वर्षीय भारतीय नागरिक को एक महिला के साथ छेड़छाड़ के मामले में सोमवार को चार साल की जेल और छह बेंत मारने की सजा सुनाई गई। अंकित शर्मा नाम के आरोपी को यह सजा तब सुनाई गई, जब कोर्ट ने उसे एक नर्सिंग रूम (बच्चों को दूध पिलाने के लिए बनाए गए कमरे) में महिला से छेड़छाड़ करने का दोषी पाया। यह घटना एक मार्च 2023 को सिंगापुर के चांगी सिटी प्वाइंट मॉल में हुई थी। पीड़िता 31 साल की एक तकनीकी विशेषज्ञ है। वह उस दिन पहली बार शर्मा से मिली थी। मुलाकात एक सहकर्मी द्वारा शर्मा की प्रोफाइल साझा करने के बाद तय हुई थी। शुरुआत में दोनों के बीच पेशेवर बातचीत हुई, लेकिन थोड़ी देर बाद शर्मा ने अश्लील बातें शुरू कर दीं और महिला से निजी व अनुचित सवाल पूछने लगा। ये सब बातें दोनों एक बार में बैठे हुए कर रहे थे। उप लोक अभियोजक शेल्डन लिम ने अदालत को बताया कि जब महिला वॉशरूम गई और लौटी, तो शर्मा उसे वॉशरूम के पास नर्सिंग रूम की ओर खींचकर ले गया। वहां उसने महिला को जबरदस्ती चूमा, उसे पकड़े रखा और बार–बार यौन इशारे किए, जबकि महिला लगातार विरोध कर रही थी। शर्मा ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा कि महिला ने खुद ही नर्सिंग रूम में चलने को कहा था। उसकी ओर से वकील ने यह भी कहा कि महिला शर्मा की बुरी सांस वाली टिप्पणी से नाराज होकर झगड़ा करने लगी थी। हालांकि, अदालत ने शर्मा की दलीलों को खारिज कर दिया और उसे दोषी ठहराया। अभियोजन पक्ष ने कहा कि यह यौन शोषण का मामला बेहद गंभीर था और इसमें महिला की निजता का गहरा उल्लंघन हुआ।

ट्रंप ने बेन कार्सन को अमेरिका का सर्वोच्च सम्मान देने का किया एलान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को बेन कार्सन को प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम देने का एलान किया। यह अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। ट्रंप ने माउंट वर्नन में अमेरिकन कॉर्नरस्टोन इंस्टीट्यूट के एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। कार्सन (74) एक पूर्व न्यूरोसर्जन हैं।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।